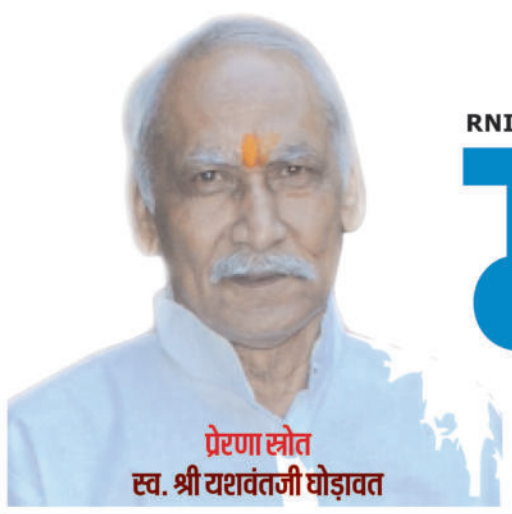
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं।

लोकमान्य तिलक

वर्ष-05, अंक - 18 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 02 फरवरी 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

वोट का बजटः टैक्स छूट से मध्यम वर्ग, पीएम आवास से गरीबों को साधने की कोशिश

सिगरेट, सोना-चांदी महंगा, खिलौने और मोबाइल पार्ट्स होंगे सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपना बजट पेश किया है। वित्त मंत्री के रूप में सीतारमण का ये लगातार पांचवां बजट है, इसके साथ ही मौजूदा मोदी सरकार का आगामी 2024 आम चुनाव से पहले ये आखिरी पूर्ण बजट है। बजट में अलग-अलग सेक्टरों के लिए कई घोषणाएं की गईं, लेकिन आम आदमी की जेब पर किस चीज का बोझ बढ़ने जा रहा है और किसमे उसे राहत मिलेगी, आइए जानते हैं कि, क्या हुआ महंगा और क्या सस्ता...

खिलौने, साइकिल और लीथियम बैटरी सस्ती

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान कहा कि, कस्टम ड्यूटी, सेस, सरचार्ज दर में बदलाव किया गया है। खिलौनों पर लगने वाले सीमा शुल्क घटाकर 13 फीसदी किया गया, यानी अब खिलौने सस्ते हो जाएंगे। इसके अलावा साइकिल को भी सस्ता किया गया है। लिथियम आयन बैटरी पर कस्टम ड्यूटी में राहत दी गई है।

इन पर हटी ड्यूटी

इलेक्ट्रॉनिक वाहनों में लगने वाली बैटरी से कस्टम ड्यूटी हटा दी गई और मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाली लीथियम बैटरी पर सीमा शुल्क हटाया गया है, ये बैटरियां भी सस्ती हो जाएगीं। इसका असर मोबाइल और ईवी की कीमतों पर भी पड़ेगा. बैटरी की कीमत घटने से कुछ मोबाइल फोन और इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे।

एलईडी और देशी चिमनी के दाम भी घटेंगे।

सरकार की ओर से टेलीविजन पैनल में आयात शुल्क 2.5 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा एलईडी, टेलीविजन सस्ता कर दिया गया है और बायोगैस से जुड़ी चीजों के दाम में भी कटौता का फैसला लिया गया है। इलेक्ट्रिक चिमनी पर आयात शुल्क में कटौती की गई है।

ये सामान होगे सस्तेः

खिलौना, साइकिल, मोबाइल फोन, मोबाइल कैमरा लैंस, ऑटोमोबाइल , इलेक्ट्रिक व्हीकल, लीथियम बैटरी, एलईडी टेलीविजन, बायोगैस से जुड़ी चीजें ।

यह होगा महंगा

वहीं कुछ चीजें महंगी की गई हैं। उनमें सिगरेट और इंपोर्टेड ज्वैलरी शामिल हैं, सिगरेट पर आपदा संबंधी ड्यूटी को बढ़ाने का फैसला किया गया है। वित्त मंत्री के मुताबिक सिगरेट पर आकस्मिकता शुल्क को 16 फीसदी बढ़ाया गया. इसके बाद सिगरेट महंगी हो गई है। इसके अलावा सोना, चांदी और प्लेटिनम से बनी इंपोर्टेड ज्वैलरी महंगी हो गई है।

महंगे हुए सामनों की लिस्ट

सोना, प्लेटिनम, विदेशी चांदी, हीरे, सिगरेट, पीतल, विदेशी खिलौने, कपड़े , हीटिंग क्राइल्स, एक्सरे मशीन।

अब 7 लाख तक टेक्स नही

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट की आर्थिक समीक्षक विवेचना कर रहे हैं। लेकिन इसके कई राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। 2018 के बाद पहली बार मोदी सरकार ने टैक्स स्लैब में बदलाव किया है। अब कुल 7 लाख रुपये तक की कमाई वाले लोगों को कोई टैक्स नहीं देना होगा। माना जा रहा है कि, इससे सैलरीड क्लास का वह हिस्सा खुश हो सकता है, जो निम्न, मध्यम वर्ग में आता है। अकसर शहरी मध्य वर्ग को बजट में नजरअंदाज करने के आरोप झेलनी वाली सरकार ने यह फैसला लेकर उनका जवाब दिया है।

यही नहीं इस बजट में सरकार ने ग्रामीण गरीबों को भी साधने की कोशिश की है। पीएम आवास योजना के बजट में सरकार ने करुल 66 फीसदी का इजाफा किया है और 79,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। साफ है कि सरकार ने एक तरफ शहरी मिडल क्लास को साधा है तो वहीं ग्रामीण गरीबों के वोटों का बजट भी तैयार कर लिया है। पीएम ग्रामीण आवास योजना के लिए इस रकम में से 54,487 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। इसके अलावा शहरी आवास योजना के लिए 25,103 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। गांवों में स्वच्छ भारत स्कीम के बाद पीएम आवास योजना सबसे चर्चित है। ऐसे में इसके बजट में इजाफा कर ग्रामीण गरीबों की बड़ी आबादी को कवर करने की कोशिश सरकार ने फिर से की है।

बजट पेश होने से पहले ही उम्मीद जताई जा रही थी कि केंद्र सरकार के आगामी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले का ये आखिरी पूर्ण बजट लोक लुभावन होगा। एक तरफ जहां टैक्स स्लैब में बदलाव के संकेत मिल रहे थे, तो वहीं किसानों से लेकर कोराबारियों और मजदूर वर्ग तक हर सेक्टर के लोगों को बजट में राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही थी।

अडानी ग्रुप को क्रेडिट सुइस ने दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली।

अडानी ग्रुप के शेयर बुधवार को फिर गिरे गए। सबसे ज्यादा 35 प्रतिशत तक की गिरावट अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में आई। अडानी ग्रुप के शेयरों में यह गिरावट ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के बाद आई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि, क्रेडिट सुइस ग्रुप एजी ने अपने प्राइवेट बैंकिंग क्लाइंट्स से मार्जिन लोन के लिए बतौर कोलेट्रल गौतम अडानी ग्रुप की कंपनियों के बॉन्ड्स लेने बंद कर दिए हैं।

अडानी ग्रुप की इन कंपनियों के नोट्स को जीरो लेडिंग वैल्यू

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, स्विस लेंडर क्रेडिट सुइस ग्रुप एजी की प्राइवेट बैंकिंग इकाई ने अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड की तरफ से बेचे गए नोट्स को जीरो लेंडिंग वैल्यू दी है। पहले, क्रेडिट सुइस ग्रुप की प्राइवेट बैंकिंग इकाई ने अडानी पोर्ट्स नोट्सस के लिए करीब 75 पर्सेंट की लेंडिंग वैल्यू ऑफर की थी।

35 प्रतिषत तक गिर गए अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर

क्रेडिट सुइस ग्रुप एजी से जुड़ी खबर सामने आने के बाद अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर बुधवार को दिन के कारोबार के दौरान 34.3 पर्सेंट तक टूट गए। कारोबार के आखिर में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 28.45 पर्सेंट की गिरावट के साथ 2128.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन के शेयर करीब 20 पर्सेंट की गिरावट के साथ 492.15 रुपये पर बंद हुए। वहीं, अडानी टोटल गैस के शेयर 10 पर्सेंट के लोअर सर्किट के साथ 1901.65 रुपये पर बंद हुए।

रेड क्रॉस की चेतावनी, अगली महामारी के लिए तैयार नहीं दुनियां

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूरी दुनिया अगली महामारी के लिए तैयार नहीं है। रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसायटीज के अंतर्राष्ट्रीय संघ(आईएफआरसी) ने चेतावनी दी है कि भविष्य में स्वास्थ्य संकट भी जलवायु परिवर्तन से संबंधित बढ़ती आपदाओं की तरह मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। रेड क्रॉस की ओर से जारी विश्व आपदा रिपोर्ट 2022 में कहा गया है कि कोरोना महामारी के तीन सालों के बाद भी दुनियाभर में मजबूत तैयारियों में गंभीर कमी है। संघ ने कहा है कि अगले संकट के लिए तैयार होने के लिए विश्वास, इक्विटी और स्थानीय कार्रवाई नेटवर्क बनाना महत्वपूर्ण था।

आसपास हो सकती है अगली महामारी

आईएफआरसी के महासचिव, जगन चपगैन ने कहा कि अगली महामारी आसपास हो सकती है। अगर कोविड-19 से मिले अनुभव के बाद भी तैयारियां तेज नहीं की गई तो मुश्किलें होंगी। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया को कई खतरों के लिए तैयार रहने की जरूरत है। इस सदी में जलवायु संबंधी आपदा के साथ बीमारी के प्रकोप में वृद्धि हो सकती है। कोरोना इनमें से एक था। खराब मौसम की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

गरीबों को ज्यादा नुकसान रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े खतरे पहले से कमजोर लोगों को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। गरीब इसकी सबसे ज्यादा चपेट में आता हैं। रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि देश घरेलू स्वास्थ्य बजट को अपने सकल घरेलू उत्पाद के 1 प्रतिशत और वैश्विक स्वास्थ्य में कम से कम 15 अरब डॉलर प्रति वर्ष की वृद्धि करें।

भारत उन 10 देशों में शामिल है जहां पिछले 2 सालों में सबसे अधिक आपदाएं आई हैं। पिछले दो साल में अमेरिका में 71, इंडोनेशिया में 62, भारत में 46, चीन में 41, कांगो में 27, पाकिस्तान में 25, फिलिपीन्स में 25, मेक्सिको में 23 और कोलंबिया में 22 आपदाएं आई हैं। ये आँकड़े सासल 2020 और 2021 के हैं। आपदाओं में अमेरिका में 1184 लोग, ब्रिटेन में 2559 लोग मारे गए हैं। फ्रांस में 1499 और भारत में 4743 लोगों की मौत हुई है।

सिर्फ यात्रा निकालने से नहीं चलेगा काम- रामचंद्र गुहा

नई दिल्ली।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर मशहूर इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने कहा है कि सिर्फ इससे मकसद पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यदि लोकतंत्र को मजबूत करना है तो केवल मार्च निकालने से कुछ नहीं होगा बल्कि वोट भी हासिल करने होंगे। उन्होंने कहा कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र को फिर से जिंदा करने के लिए कांग्रेस को मजबूत बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह केवल मार्च निकालकर नहीं बल्कि मत हासिल करके होगा। गुहा ने यहां अपनी पुस्तक 'इंडिया आफ्टर गांधी' के तीसरे संस्करण के विमोचन के अवसर पर कहा, 'स्वस्थ लोकतंत्र, जिसमें कोई एक पार्टी विपक्ष को न चलाए, जैसा कि भारत ने 1970 के दशक के अंत से 2014 तक देखा है।'

अपनी बात की पुष्टी करने के लिए गुहा ने कहा कि, अन्य सभी दलों के बीच वह कांग्रेस ही थी, जिसने 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 191 सीट पर आमने-सामने टक्कर दी थी। रामचंद्र गुहा ने कहा कि, कांग्रेस को प्रभाव को हम इससे समझ सकते हैं कि देश के 8 से 12 राज्यों में वह पहले या दूसरे नंबर की पार्टी है। गुहा ने कहा कि 2024 के आम चुनाव में भी ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा कि जेडीयू, आम आदमी पार्टी, डीएमके और टीएमसी जैसे दल भाजपा के मुकाबले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में नहीं हैं।

गुहा ने कहा कि, 2019 में 191 सीटों पर कांग्रेस ने भाजपा को टक्कर दी थी, जिनमें से 16 पर ही उसे जीत मिली थी। इस तरह की उसकी सफलता की दर महज 8 फीसदी ही थी। यदि गठबंधन दलों की ओर से उसे साथ मिला होता तो फिर कांग्रेस जीत सकती थी। लेकिन कांग्रेस अकेले ही लड़ती दिखी थी। उन्होने कहा कि इस बार कांग्रेस को बिहार में आरजेडी और जेडीयू का साथ मिल सकता है। महाराष्ट्र में एनसीपी और शिवसेना साथ आ सकते हैं। तमिलनाडु में डीएमके का समर्थन मिल सकता है। लेकिन अंत में खुद कांग्रेस को ही मजबूत होना होगा ताकि भाजपा को टक्कर दे सके।

वर्ष के अंत तक दौड़ेगी हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली।

देश में इस साल के अंत तक पहली बार हाइड्रोजन ट्रेन दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि हाइड्रोजन ट्रेनों को भारत में ही डिजाइन और मैन्युफैक्चर किया जाएगा जो दिसंबर 2023 तक रेडी हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'ग्रीन ग्रोथ पहल के तहत हाइड्रोजन ट्रेन को तैयार किया जाएगा। इसे हैरिटेड सर्किट में चलाया जाएगा। हैरिटेड सर्किट में कालका-शिमला जैसे रूट शामिल हैं और बाद में अन्य जगहों पर इसका विस्तार किया जाएगा। बिजली के लिए अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट लगाए जाएंगे।

रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे के लिए 2.41 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह एक बड़ा बदलाव है और यह यात्रियों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा, '100... 5जी लैब बनेंगे, आगामी 2-3 वर्ष के अंतर्गत भारत टेलीकॉम तकनीक का निर्यातक बनेगा। आत्मनिर्भर भारत के तहत 4जी-5जी को बीएसएनएल में रोलआउट किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक के उत्पादन के तहत मोबाइल फोन में लगने वाले लेंस में रियायत मिली है। एआई के लिए भारत में जितनी भी प्रतिभाएं मौजूद हैं उसके लिए 4 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की घोषणा हुई है। इसमें हम एआई का कैसे इस्तेमाल कर सकें, इसकी जानकारी मिलेगी।'

इन शहरों में भी बनेंगी वंदे भारत एक्सप्रेस

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमृत भारत स्कीम में बड़े स्टेशन सहित कुल 1275 स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा। सोनीपथ, लातूर और रायबरेली में वंदे भारत ट्रेन का उत्पादन शुरू होगा। रेल मंत्री ने कहा कि अब आईसीएफ चेन्नई के अलावा वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण हरियाणा के सोनीपत और महाराष्ट्र के लातूर में भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल हर कोने को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करेगी।

रेलवे के लिए 2.41 लाख करोड़ रुपए आवंटित

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2023-24 के आम बजट में रेलवे के लिए 2.41 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परि?यय उपलब्?ध कराया गया है, जो रेलवे के लिए अब तक की सबसे बड़ी राशि है। लोकसभा में बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि रेलवे को मौजूदा बजट प्रस्ताव में उपलब्ध कराया गया परिव्यय, 2013-14 में कुल पूंजीगत परि?यय का लगभग 9 गुना है। उन्होंने कहा, 'रेल में सफर करने वाले यात्रियों की बढ़ती उम्मीदों के साथ रेलवे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, हमसफर और तेजस जैसी प्रमुख ट्रेनों के 1,000 से अधिक कोच के नवीनीकरण की योजना बना रहा है। इन कोच के आंतरिक हिस्सों को अत्याधुनिक बनाया जाएगा और यात्रियों के आराम के हिसाब से इसमें सुधार किया जाएगा।

चुनाव से पहले भाजपा पर क्यों आक्रामक हैं उमा भारती...?

भोपाल।

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने एक बार फिर शराब के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा है। मंगलवार को उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से 'सेवक' की भूमिका से निकलकर 'प्रशासक' बनने की अपील की है। सवाल है कि अपनी ही पार्टी के खिलाफ भारती का रुख इतना सख्त क्यों है? साथ ही पार्टी पर इसका क्या असर पड़ सकता है।

भारती ने कहा, 'मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा है कि वह 31 जनवरी को नई शराब नीति का ऐलान करेंगे। मैं नई शराब नीति के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करूंगी और एक दिन बाद शराब की दुकानों में गौशालाएं खोल दूंगा। मैं सीएम से अपील करती हूं कि 'सेवक' की भूमिका से बाहर निकलकर 'प्रशासक' बनें।'

उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र में अगर बुरे और बहुत बुरे में चुनना हो, तो लोग बुरा चुनते हैं और बुरे सरकार बनाते हैं। चुनाव जीतना और सरकार में रहना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, महिलाओं को सुरक्षा, बच्चों के सुनहरे भविष्य को सुनिश्चित करना बड़ी बात है।'

लोधी मतदाताओं से कर चुकी हैं ये अपील

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुए कार्यक्रम में भी भारत लोधी मतदाताओं से भी वोट देने से पहले अपने हितों को देखने की अपील कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं सभी से भाजपा को वोट देने के लिए कहूंगी, क्योंकि पार्टी की वफादार सैनिक हूं। लेकिन मैं आपसे पार्टी के वफादार सैनिक नहीं होने की अपील करती हूं।'

राजनीति में कितनी मजबूत उमा भारती...?

कहा जाता है कि लोधी समुदाय का भाजपा से जुड़े रहने की बड़ी वजह उमा भारती और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल हैं। अब लोधी समुदाय एमपी में ताकतवर मौजूदगी रखता है। ऐसे तो राज्यभर में इनकी मौजूदगी है, लेकिन ग्वालियर, बुंदेलखंड और बालाघाट जैसे महाकौशल के हिस्सों में इनका दबदबा है।

अब प्रीतम लोधी को भाजपा से बाहर करने के बाद लोधी और ब्राह्मण समुदाय के बीच खींचतान सामने आई थी। लोधी के ब्राह्मण विरोधी बयान के बाद भी सियासत गर्मा गई थी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के कहने के बाद भी नहीं बन पाया रोड

क्षेत्र के जनपद सदस्य ने की रोड बनाने की मांग, लोगों को हो रही बड़ी परेशानी

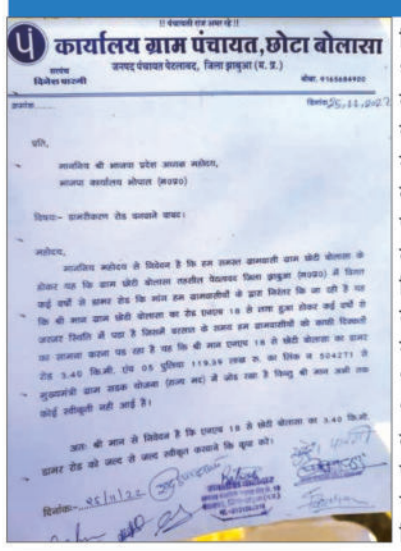

माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय

पिछले वर्ष जनवरी माह के पहले सप्ताह में क्षेत्र के ग्राम छोटी बोलासा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं क्षेत्र के सांसद गुमानसिंह डामोर ,पूर्व राज्य मंत्री निर्मला भूरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष लक्ष्मण नायक सहित कई बड़े नेता एक दिवसीय दौरे पर आए थे। जब सारँगी और बोलासा के लोगों ने छोटी बोलासा से होते हुए सारंगी तक रोड बनाने की मांग की थी। जिस पर प्रदेश अध्यक्ष ने रोड बनाने का आश्वासन दिया था। नेताओं के वादे तो वादे ही निकले और साल भर से अधिक समय बीत जाने पर भी अभी तक यह रोड नहीं बना। क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के नेता इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे है। भारतीय जनता पार्टी के छोटे कार्यकर्ता जनता के बीच जाते है तों उन्हें इस रोड के लिए लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यह कब तक चलेगा अपना स्वार्थ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी के नेता जनता की समस्या को नहीं समझ रहे हैं, अगर नहीं समझें तो वह दिन दूर नहीं आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को इस रोड के कारण खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। क्षेत्र के जनपद सदस्य रजनीश पाटीदार ने बताया कि, मेरे क्षेत्र के

लोगों ने भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास कर मुझे जीताया। मेरे क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या यही रोड है, प्रदेश अध्यक्ष द्वारा इस रोड को जल्दी से जल्दी बनाने का मुझे आश्वासन दिया था, लेकिन साल भर होने के बाद भी रोड नहीं बना। मेरे क्षेत्र के लोग जनसंपर्क के दौरान रोड बनाने की मांग कर रहे हैं, अगर यह रोड नहीं बना तो मैं मेरे जनपद क्षेत्र के लोगों के साथ अनशन पर बैठ जाऊंगा, चाहे मुझे पार्टी के विरुद्ध विरोध करना पड़े।

बोलासा ग्राम के ग्रामीण लम्बे समय से इस रोड को लेकर परेशान हैं। हर बार यहां से कांग्रेस समर्थित जीतते आये हैं, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के दौरे के बाद चुनाव में रोड ओर सुविधा मिलने के नाम पर परिवर्तन कर भाजपा समर्थित को जनपद में जीत दिलाई थी, लेकिन अब तक रोड बनना तो ठीक स्वीकृत तक नही हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष के सामने हुई थी, सांसद और पूर्व मंत्री की किरकिरी

देर रात को जब प्रदेश अध्यक्ष बोलासा पहुँचे थे, तो उनके सामने विचित्र स्थिति बन गई थी। मौके पर मौजूद ग्रामीण प्रदेश अध्यक्ष पर रोड को लेकर बुरी तरह बिफर गए थे। मामला विवादित तक हो चला था, आखिर में मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के साथ मौजूद सांसद डामोर ओर पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया के सुपुर्द ग्रामीणों को कर उनको समझाईश देकर ग्रामीणों को शांत करवाया था। दोनों नेताओं ने ग्रामीणों को जल्द से जल्द रोड बनाने का आश्वासन दिया था जो आज तक पूरा नही हुआ। बर्षो तक क्षेत्र की विधायक रही निर्मला भूरिया ने इस

मार्ग की सूद आज तक नही ली, तो पेटलावद क्षेत्र में विकास के दावे करने वाले सांसद भी चार साल के कार्यकाल में इस मार्ग को स्वीकृत नही करा पाये। जो भी हो प्रदेश अध्यक्ष की किरकिरी इनके सामने ही ग्रामीणों ने कर भाजपाई नेताओं के वादों की पोल खोल दी थी।

15 बेजुबान जानवरों की जान लेने का जिम्मेदार कौन...?

क्या किसी ने खाने में दे दिया बेजुबानों को जहर, जांच के लिए पहुँची पशु चिकित्सक की टीम

माही की गूंज,बामनिया। गौरव भंडारी

मंगलवार सुबह-सुबह एक अमानवीय मामला सामने आया। रतलाम रोड पर स्थित मछली-मटन मार्केट और पशु चिकित्सालय के बीच लगभग 15 बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर एक साथ मरे हुए मिले। इसमें करीब 13 कुत्ते जिसमे कुत्ते के पिल्ले, एक मुर्गी और बिल्ली फोटो में मृत दिख रहे थे। मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों से चर्चा की तो पता चला कि, यह घटना दो से तीन दिन पहले की है। ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड ने बताया कि, कल देर शाम को इसकी सूचना रहवासी द्वारा दी गई जिसके बाद मृतक जानवरों को हटवाया गया। घटना पशु चिकित्सालय की बाउंड्री में हुई है जो जिले भर में चर्चा का विषय बन गया है। कुछ बेजुबान बाउंड्री के इस पार मृत और कुछ मांस की दुकानें के पास जहां मांस की दुकानों से निकला हुआ कचरा फेंकते हैं वहां पड़े हुए थे। रहवासियों ने बताया एक रात को बहुत जोर-जोर से रो रहे थे और सुबह देखा तो मृत अवस्था में पड़े हुए थे। यह सिलसिला करीब 2 दिनों तक चलता रहा।

मामले की जानकारी के बाद पशु चिकित्सक दिलीप निनामा ने मौके पर पंचनामा बनाया, पशु चिकित्सक दिलीप निनामा के अनुसार जांच में जानवरों की मौत का कारण जहरीला पदार्थ खाने से होने की संभावना हैं। जो जानकारी मिल रही है उससे यही प्रतीत होता है कि, किसी ने खाने के पदार्थ कुछ मिलाकर कचरा फेंकने की जगह फेक दिया होगा। जिससे खाने से सबकी एक साथ मृत्यु हुई है। वहीं कई जगह मृतक कुत्तों के द्वारा उल्टी भी की हुई थी। गांव के पशु प्रेमियों द्वारा इस कृत्य की निंदा की जा रही है।

मामला दर्ज होने के एक माह बीत जाने के बाद भी नहीं बरामद हुई नाबालिग

नाबालिग का पिता लगा रहा थाने के चक्कर, पुलिस कह रही पता बताओ पकड़ लेगें

माही की गूंज, पेटलावद।

पुलिस थाने पर भटक रहा नाबालिक का पिता अपनी गायब हुई बेटी के लिए प्रकरण दर्ज नही करवा पाया। मामला मीडिया में आया तो पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर नाबालिक को खोज निकालने के दावे कर दिए। लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी नाबालिग को पुलिस नही खोज पाई है।

पेटलावद थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ी गेहण्डी निवासी गुंडिया भूरिया ने थाना पेटलावद में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट मे बताया, मेरी नाबालिग पुत्री का नाम नेहा (बदला हुआ नाम) होकर उसकी जन्म तारीख 5 अप्रेल 2005 है और कक्षा 11 वी में करवड़ में पढ़ती थी, जो 28 दिसम्बर 2022 से गायब है। पीड़ित पिता ने आवेदन में उस व्यक्ति का नाम भी उल्लेख किया जिसके द्वारा आवेदक की नाबालिग

पुत्री को जबरन अगवाह किया गया। आवेदन में नाबालिग के पिता ने बताया कि, विपक्षी जोकि आए दिन उसके नाबालिक लड़की का पीछा करता था और उसे धमकी देता था तथा 15 दिन पूर्व भी मेरी पुत्री को जबरन उठाकर ले जाने की धमकी भी दी थी। विपक्षी द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 2022 को मौका देखकर जब हम लोग खेत पर थें और मेरी नाबालिग पुत्री घर पर अकेली थी उस समय उक्त विपक्षी मेरे घर से मेरी नाबालिग पुत्री को जबरन बलपूर्वक उठाकर ले गया है। हम लोग सुबह घर पर आए तो मेरी पुत्री नेहा घर पर नहीं थी। उसकी सभी दूर तलाशी की तो मालूम पड़ा कि, विपक्षी उसे मेरे यहां से जबरन उठाकर ले गया हैं। थाना पेटलावद से किसी प्रकार की कार्रवाई नही होने पर नाबालिक पुत्री के पिता ने एसडीओपी को आवेदन पेश कर मामले में तुरंत कार्रवाई कर नाबालिक पुत्री को ढूंढने और उसका अपहरण करने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद मामला दर्ज किया था मामला दर्ज हुए लगभग 15 दिन बीत गए लेकिन पुलिस लडकी तक नही पहुँच सकी।

लड़की के पिता का कहना है कि पुलिस, लड़के के घर आती है और चाय-पानी पी कर निकल जाती है। हमारे द्वारा कुछ मोबाइल नम्बर भी दिए गए जिनके संपर्क में आरोपी हो सकता है, लेकिन कोई परिणाम नही आया। उल्टा पुलिस बोल रही है कि तुमको जानकारी मिली हो तो बता दो हम लड़की और लड़के को उठा लायगे।

नाबालिको के प्रति अपराधों को लेकर सजग नही पुलिस

पिछले दिनों एक बड़े मामले में इंदौर में दो महिलाएं पुलिस की पकड़ में आई जो लड़कियों की खरीद फरोख्त करती थी। लेकिन पुलिस इस मामले को प्रेम-प्रसंग का समझकर आरोपी के परिवार पर लड़की सुपर्द करने का दबाब बना रही है। अक्सर ऐसे मामलों में देखा गया है कि, दोनों परिवार आपस मे विवाद कर बैठते हैं लेकिन यहां पीड़ित परिवार ने पुलिस व्यवस्था पर भरोसा जताया लेकिन कोई निराकरण नही हुआ।

कल से होगा बीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

माही की गूंज ,बामनिया।

क्रिकेट प्रेमियों व खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट को लेकर कई दिनों से तैयारियां की जा रही थी। आईपीएल की तर्ज पर होने वाले बामनिया प्रिमियर लिग (बीपीएल) टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज होगा। उक्त टेनिस बॉल टूर्नामेंट में, क्रिकेट टूर्नामेंट स्पीड 11 क्रिकेट क्लब, एकता क्रिकेट क्लब, ब्लड डोनेशन टीम थांदला, ग्रीन टीम बामनिया, करणी सेना बामनिया के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार से स्थानीय शासकीय बालक विद्यालय खेल मैदान पर होगा।

आयोजन समिति ने बताया कि, इस टूर्नामेंट में थांदला, पेटलावद, बामनिया, खवासा, रायपुरिया, करवड़, सारंगी आदि जगहों के खिलाड़ी सहभागिता करेंगे जो कि 6 अलग-अलग टीमों में शामिल होंगे। उक्त आयोजन में प्रथम पुरुस्कार 41 हजार, द्वितीय पुरुस्कार 31 हजार, तृतीय पुरुस्कार 21 हजार व चतुर्थ पुरूस्कार 11 हजार रूपये रखा गया है। साथ ही टूर्नामेंट में विशेष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के रूप में ट्राफी व नगदी इनाम दिया जायेगा।

विशेष रूप से उक्त किक्रेट टूर्नामेंट में क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ी टीम के माध्यम से अपने खेल का हुनर दिखायेगे जिसमे ब्लैक पेंथर, भूमा इलेवन, कलाल इज किंग, हैरी इलेवन, गोल्डन बुल्स, माँ कृपा के रूप में टीम रहेगी।

सोखता टैंक बनने से मोहल्ले वासियों को कीचड़ से मिली राहत, हाट के दिन होती थी बड़ी परेशानी

माही की गूंज, बामनिया। प्रिंस-प्रशांत मार्ग पर स्थित आदर्श स्कूल के सामने बने हैंडपंप से निकलने वाले पानी से स्कूली बच्चों और मोहल्ले वासियों को अब परेशान नही होना पड़ेगा। यहां ग्राम पंचायत ने मोहल्लेवासियों की मांग पर हैंडपंप के पास एक सोखता टैंक बना कर सड़क पर बहने वाले पानी और उससे होने वाले कीचड़ से निजाद दिलाई है। ज्ञात हो कि, हैंडपंप के उपयोग से बहने वाले पानी के कारण हमेशा सड़क पर कीचड़ रहता था। खासकर शनिवार के दिन गिरने वाले हाट बाजार में अधिक परेशानी हाट में लगाने वाले दुकानदारों को होती थी, जिससे इस टेक के बनने से लोगो को राहत हुई है। सरपंच रामकन्या मखोड ने बताया कि, चुनाव के दौरान मोहल्ले वालों ने इस समस्या से अवगत करवाया था जिसको टैंक बना कर हल किया है। सोखता टैंक बनने से न केवल कीचड़ ओर गंदगी से निजाद मिलेगी, बल्कि हैंडपंप के पानी का वाटर लेवल भी बढ़ेगा। ग्राम पंचायत के इस कार्य की मोहल्लेवासियों ने सराहना कर धन्यवाद दिया है।

बापू के निर्वाण दिवस पर हुई समूह प्रार्थना

माही की गूंज ,पेटलावद।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर समूह प्रार्थना का आयोजन किया गया। संपर्क बुनियादी शाला एवं संपर्क संस्था में महात्मा गांधी निर्वाण दिन पर समूह प्रार्थना की गई। जिसमें बापू के प्रिय भजन वैष्णव जन तो और राम धुन सर्वधर्म प्रार्थना की गई। जिसमें संस्था के सभी कार्यकर्ता एवं शाला के बच्चे उपस्थित थे। संस्था के कार्यकर्ता हरिशंकर पंवार ने बापू के कार्य पर अपनी बात रखी। शाला के प्राचार्य श्रीमती प्रक्षाली देसाई ने बापू के संदेश अहिंसा मार्ग पर चलने के बारे में विस्तार से बताया। संस्था के निर्देशक निलेश देसाई ने बापू के विचारों को कैसे आत्मसात करें, यह बात सभी के सामने रखी।

दो हजार का मानदेय कम है इसे बढ़ाए जाने की मांग

रसोईयनों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, भाजपा नेता जैन और जनपद सोहन डामर ने मांगों का किया समर्थन

माही की गूंज, पेटलावद।

प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में चल रही शासन की माध्यन भोजन योजना में खाना बनाने का कार्य करने वाली सैकड़ो रसोईयनो ने बुधवार को नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री ने नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सोप कर वेतन बढ़ाने की मांग की। ज्ञापन में रसोईयनो ने बताया कि, वो कई वर्षों से स्कूलों में खाना बनाने का कार्य करती हैं जिसके बदले सरकार उनको दो हजार रुपये का मामूली वेतन दे रही है, जो की गुजर-बसर करने के लिए पर्याप्त नही है। रसोईयनो ने बताया कि, वो अत्यंत गरीब है और इतने कम वेतन में परिवार का भरण-पोषण तक नही कर पा रहे है। जबकि सरकार रोजगार गारंटी योजना में मजदूरी 200 रुपये से अधिक प्रतिदिन के दे रही है, वही हमको 100 रुपये भी रोज नही दिए जा रहे हैं। भाजपा नेता अजय जैन और जनपद सदस्य सोहन डामर ने बताय कि, पूर्व में भी हमने मुख्यमंत्री से रसोईयनो के वेतन बढ़ाने की मांग की थी। जल्द ही एक प्रतिनिधि मंडल रसोईयनो के साथ जाकर मुख्यमंत्री से मिलेंगे और वेतन बढ़ाने की मांग के साथ-साथ सेवानिवृत्त के बाद एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दिए जाने की मांग करेगे। अनुविभागीय अधिकारी के अनुपस्थिति में ज्ञापन तहसीलदार जगदीश वर्मा ने लिया, ज्ञापन का वाचन रसोईयन तेजकुँवर द्वारा किया गया।

एसडीएम के प्रयासों से गार्डन में लहराई हरी घास

एसडीएम कार्यालय के सामने बने गार्डन में चहल-पहल बढ़ी

माही की गूंज, पेटलावद।

अगर आपकी सोच सही होतो बंजर जमीन में भी खेती की जा सकती है। ऐसा ही नजारा वर्तमान में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय के ठीक सामने बने गार्डन में देखने को मिल रहा है। जहां नए-नए आये एसडीएम अनिल कुमार राठौर के सतत प्रयासों का परिणाम अब देखने को मिल रहा है और वर्षो से एक अद्दत गार्डन को तरस रहे नगर को छोटा ही सही एक सुंदर गार्डन की सौगात मिली है। एसडीएम राठौर के पदस्थ होने के बाद से इस गार्डन को लेकर उनकी रुचि देखी गई और लगातार गार्डन में अलग-अलग विभागों के सहयोग से गार्डन को तैयार कर, समतलीकरण कर काली मिट्टी बिछाई गई साथ ही पैदल चलने के लिए बने मार्ग को भी दुरुस्त करवाया गया। अब गार्डन में घास लगा कर उसे हरा भरा किया जा रहा है। घास बोने के बाद लगातार उसमे पानी दिया जा रहा था, जिसके परिणाम स्वरूप अब गार्डन में हरियाली दिखने लगी है। धीरे-धीरे ही सही पर गार्डन मूर्त रूप ले रहा है और यहां आने-जाने वालों की चहल-पहल भी बढ़ने लगी है।

आईएएस एसडीएम अनिल कुमार राठौर।

शहीद स्मारक पर देश के विरो के बलिदान की कहानियां लिखी जाए

गार्डन के बीचों बीच शहीद स्मारक बना हुआ है, वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पंवार ने कहा कि, स्मारक के आसपास देश के लिए जान देने वाले वीरो की कहानियों का प्रर्दशन किया जाना चाहिये। जिससे यहां आने वाले जनमानस और बच्चों को उनके बारे में बताया जा सके। अनुविभागीय अधिकारी के प्रयासों की तारीफ करते हुए पंवार साहब ने कहा कि, नगर में एक गार्डन की आवश्यकता है कही न कही इस क्षेत्र में सफलता मिलती दिख रही है।

कर्मचारी कर रहे हैं मेहनत

एसडीएम अनिल राठौर के प्रयासों में सबसे अधिक सहयोग एसडीएम कार्यालय के कुछ कर्मचारी भी लगातार मेहनत कर रहे हैं, जो रात-दिन गार्डन में लगे पेड़ो ओर घास तक पानी पहुँचा रहे हैं। बताया जा रहा है गार्डन को विकसित करने के लिए उद्यानिक विभाग के साथ-साथ समाजसेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है।

आते-जाते रहे एसडीएम, नही कर पाए कोई उद्धार

अनुविभागीय अधिकारी यहां आते-जाते रहे है, लेकिन हर बार नए अधिकारी के सामने इस गार्डन को लेकर मांग उठती रही है। लेकिन कोई अधिकार इसकी सूद नही ले पाया। पूर्व एसडीएम आईएएस हर्षल पंचोली से लेकर तत्कालीन एसडीएम आईएएस शिशिर गेमावत तक ने इस गार्डन को नया रंग रुप देने की आधी-अधूरी कोशिश की है, लेकिन बीच मे किशिशो को अधूरा छोड़ दिया गया। जिससे आगे बढ़ते हुए आईएएस एसडीएम अनिल कुमार राठौर के प्रयासों से इस गार्डन को हर-भरा किया गया है और आने वाले दिनों में गार्डन में और भी सुविधा देखने को मिल सकती है जिसके लिए सतत प्रयास किये जा रहे हैं।

एसडीएम कार्यालय के सामने स्थित गार्डन जो अब सुंदर होता जा रहा है।

सेवा तो एक बहाना है, मनमानी हमारा काम है

संत टेरेसा बस से भयभीत, हर समय रहता है दुर्घटना का डर

माही की गूंज, खवासा।

खवासा में स्थित मिशनरी की संत टेरेसा स्कूल की नींव रखने के साथ ही अपनी मनोवृति को ''सेवा तो एक बहाना है, मनमानी करना हमारा काम है'' की तर्ज पर संत टेरेसा स्कूल ने शिक्षा अधिकारी को प्राथमिक स्कूल की परमिशन हेतु दिए आवेदन की प्राप्त प्रतिलिपि को परमिशन बताकर सेवा के नाम पर स्थानिय राजवाड़े में स्कूल खोलने के साथ अपनी मनमानी का परिचय दिया था। आज भी संत टेरेसा स्कूल अपनी मनमानी के साथ बच्चों को सिर्फ एक उपभोक्ता मानकर शैक्षणिक व्यवस्था में अपनी मनमानी के साथ ही बच्चो के जीवन के साथ भी खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। नतीजन क्षेत्र में सेवा के नाम से स्कूल खोलने की बात कर खवासा में मिशनरी की उक्त स्कूल खोलने हेतु जिस किसी ने भी स्थानीय स्तर पर सहयोग किया था वे ही आज पछतावा कर रहे हैं।

बता दें कि, पिछले वर्ष हाईस्कूल की मान्यता भी उक्त संस्था की रद्द कर दी गई थी। वहीं दूसरी अपील के साथ झाबुआ से लेकर भोपाल तक अर्थ गठजोड़ के साथ मान्यता प्राप्त की। तथा पिछले वर्ष मादलदा की और बच्चों को छोड़कर आ रही बस से

26 जनवरी को संत टेरेसा की बस हुई दुर्घटनाग्रस्त, देखे वीडियो व पुरी न्यूज़ क्यूआर कोड स्केन कर।

दुर्घटनाग्रस्त होकर एक युवक और एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। लेकिन उसके बाद भी बस का मेंटेनेंस व बस की स्थिति दयनीय होकर सिर्फ उनके द्वारा की जाने वाली प्रार्थना के प्रतिफल का हवाला देकर बच्चों की जान से खिलवाड़ करने में मिशनरी की उक्त संस्था कोई चूक नहीं कर रही है। नतीजन 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर भी बच्चों को छोड़कर आ रही उक्त संस्था की बस की स्टेरिंग की गुल्ली टूट जाने के साथ बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। गनीमत थी कि, उस समय बस में बच्चे नहीं थे नहीं तो बड़ी दुर्घटना होकर शासन-प्रशासन नियमों की थाल बजाकर दुर्घटना के बाद अपनी उपस्थिति दर्ज करवाता है।

वहीं संस्था की प्राचार्य का जवाब अगर बस में बच्चे होते और बड़ी दुर्घटना हो जाती तो हम क्या करें, बड़ी दुर्घटना हो जाती तो हो जाती। यानीकि प्राचार्य का तो कुछ नहीं बिगड़ता पर बस में बच्चे होते तो तय है कि, कई परिवार आज बिन औलाद के हो जाते।

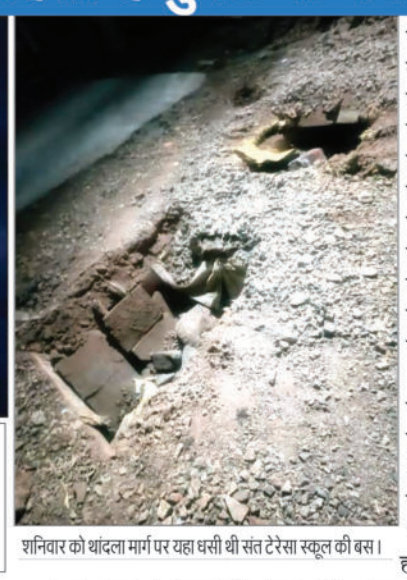

शनिवार को थांदला मार्ग पर यहा धसी थी संत टेरेसा स्कूल की बस।

बात उक्त दुर्घटना के बाद भी व्यवस्थाओं में सुधार लाने पर कोई कार्यव्यवस्था संस्था की ओर से नहीं बनाई गई। नतीजन 26 जनवरी के दो दिन बाद शनिवार को उक्त स्कूल के बच्चों को थांदला मार्ग की और छोड़ने गई बस चालक मेन रोड पर ही बस को पलटा रहा था, उस बस में कुछ बच्चे भी थे कि, चालक की लापरवाही से बस रोड से ऐसी नीचे उतरी कि, दीपक पाटीदार के घर के आगे मुख्य सड़क से काफी दूर नाली में बस के पिछले पहिए झटके से जाकर ऐसे धसे की नाली के ऊपर रखे पत्थर भी टूटकर नालीदोस हो गए। गनीमत रही की बस नाली की वजह से झटके के साथ नाली में ही पहिये धस गये। अगर बस के के पहिये नाली में नहीं धसते तो यहां पर भी पीछे मकान में बस घुस जाती और संभवतः किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाता।

इन सारी अव्यवस्था व दुर्घटना के बाद भी उक्त संस्था के संचालक व प्राचार्य कोई सही कदम नहीं उठा रहे हैं और अपनी मनमानी का परिचय देकर बच्चों की जान से खिलवाड़ करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। वही हर अनियमितताओं के बाद संस्था प्राचार्य अपना पल्ला झाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

नाली में धंसी बस व दुर्घटना के संबंध में ग्राम का एक जागरूक युवा कुणाल पाटीदार ने दुर्घटना पर अपनी संवेदना जताते हुए संत टेरेसा की प्राचार्य से दुर्घटना के बारे में जाना तो, प्राचार्य इस घटना से भी अपने-आप को अज्ञान बताकर अपने कार्य की इतिश्री करती नजर आई।

अज्ञात बदमाशों ने लाखों के माल पर किया हाथ साफ

माही की गूंज, पारा।

गुरुवार - शुक्रवार रात में अज्ञात बदमाशों ने एक ज्वेलर्स की दुकान में घुसकर लाखों का माल ले उड़े। दुकान मालिक जितेंद्र सोनी ने बताया, अज्ञात बदमाश रात 12 बजे के करीब ऊपर खुला पड़ा वेंटीलेशन पर एक बदमाश ऊपर चढ़ गया, ऊपर कैसे चढा इसकी जानकारी नहीं है। वेंटीलेशन से घुसकर बदमाश दुकान में कूद गया, दुकान में पड़े चांदी के बने आभूषण जिसकी कीमत तीन से चार लाख बताई गई है। घटना की जानकारी पारा पुलिस को दी जिसके बाद चौकी प्रभारी घटनास्थल पहुंचे। वही घटना की जानकारी एसपी अगम जैन को मिलने पर पारा पहुचे और रात्री में पेदल ग्राम का निरिक्षण किया। वही एसपी जैन ने घटना स्थल पर पहुच घटना का मुआयना किया। चोर मुह पर कपड़ा बांध पेन्ट-शर्ट व ठंडी से बचने के लिए जरकिन पहनकर आये और उक्त चोरी को अंजाम दिया और बिना किसी भय के बिंदास होकर चोरी को अंजाम देकर रफु-चक्कर हो गये। जिसका विडीयो सीसीटिवी कैमरे में केद हुआ।

पुलिस गस्त के बाद भी हो जाती है चोरी

गली व चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे कुछ चालू है, तो कुछ बंद है। सीसीटीवी फुटेज देखने से कुछ अलग ही प्रतीत होता है, कैमरे में देखने पर पता चलता है जिस गली में चोरी हुई, चौराहा उसी गली से लगा हुआ है। बताया जाता है कि, जिस ज्वैलर्स की दुकान में चोरी हुई उस वक्त पुलिस के जवान गस्त दे रहे थे।

विश्व शांति नवग्रह शनि मंदिर के 23 वें स्थापना दिवस पर हुए विभिन्न अनुष्ठान

भगवान का विशेष श्रृंगार के साथ हवन, महाआरती एवं रात्रि में भजन संध्या का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

स्थानीय श्री पदमवंशीय मेवाड़ा राठौर तेली समाज द्वारा सिद्धेश्वर कालोनी स्थित श्री विश्व शांति नवग्रह शनि मंदिर में 23वां स्थापना दिवस 31 जनवरीए मंगलवार को धूमधाम से एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

राठौर समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामचंद्र राठौर एवं सचिव मनीष राठौर ने बताया कि शनि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा आज से 23 वर्ष पूर्ण संपन्न हुई थी। स्थापना दिवस के उपलक्ष में एक दिन पूर्व ही पूरे मंदिर को विद्युत रोशनी एवं पुष्प सज्जा से आकर्षक ढंग से सजाकर तैयारियां पूर्ण की गई। स्थापना दिवस निमित्त मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे से भगवान के अभिषेक का लाभ रमेष दौलतराम राठौर एवं मगनलाल मनीष राठौर परिवार ने लिया। इस बीच मंदिर में हवन भी संपन्न हुआ। हवन विद्वान पंण् हिमांषु शुक्ल ने विधि.विधान से मंत्रोच्चार के साथ संपन्न करवाया। जिसमें यजमान के रूप में समस्त मातृ शक्तियां मौजूद रहीं। समाज की महिला इकाई पूरे कार्यक्रम में सज.संवरकर निर्धारित ड्रेस कार्ड में सम्मिलित हुई। प्रातःकाल एवं संध्याकाल समाजजनों के लिए भोजन का भी आयोजन रखा गया। हवन करीब 2 घंटे चलने के बाद महिला मंडल की ओर से भगवान शनिदेव को रजत अंगीधारण करवाई गई।

आतिशबाजी के साथ महाआरती संपन्न हुई

इस दौरान समाज अध्यक्ष रामचंदए किषोरए चांदमल गोलानिया की ओर से भगवान के चरणों में 10 ग्राम सोने की चैन अर्पण की गई। संध्याकाल करीब 7 बजे युवा एवं बच्चों द्वारा जोरदार आतिष्बाजी के बीच महाआरती संपन्न हुई। जिसमें बडी संख्या में समाजजनों सहित अन्य समाज के लोग भी उपस्थित रहे। महाआरती बाद प्रसादी वितरण हुआ। रात्रि 8 बजे से मंदिर परिसर में पंण् श्री अनिरूद्ध मुरारी एवं संगीत मंडल द्वारा समधुर भजन संध्या के माध्यम से समां बांधा गया। पूरा आयोजन सा.आनंद संपन्न हुआ। जिसमें समाज उपाध्यक्ष महेष राठौर, सह.सचिव कुलदीप राठौर, कोषाध्यक्ष अजय राठौर सहित समाज के सभी लोगों की पूर्ण सहभागिता रहीं तथा सहयोग प्रदान किया।

श्री आदिनाथ माणिभद्र जैन तीर्थ देवझिरी पर 8 दिवसीय अंजन श्लाका प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ आरंभ

30 एवं 31 जनवरी को स्नात्र महोत्सव संपन्न हुआ, 4 फरवरी को वरधोड़ा एवं 5 फरवरी को प्रतिष्ठा तथा ध्वजारोहण होगा

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर से सटे श्री आदिनाथ माणिभद्र जैन तीर्थ देवझिरी पर 8 दिवसीय अंजन श्लाका प्रतिष्ठा महोत्सव का की शुरूआत 30 जनवरी, सोमवार से हो गई है। महोत्सव में पपू आचार्य देवेष श्री सुयष सूरीष्वरजी मसा पावनकारी निश्रा प्रदान कर रहे है। वहीं समस्त आयोजन लाभार्थियों के विशेष सहयोग से श्री आदिनाथ माणिभ्रद पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे है।

जानकारी देते हुए श्री आदिनाथ माणिभद्र पारमार्थिक ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी निर्मल मेहता ने बताया 30 एवं 31 जनवरी को स्नात्र महोत्सव संपन्न हुआ। 1 फरवरी को जल यात्रा, कुंभ, दीपक, ज्वरापेण, क्षेत्रपाल स्थापना, दस दिव्यपाल, अष्टमंगल, 16 विद्यादेवी, नघवर्द, लघुसिद्ध चक्र सहित अन्य पूजन, 2 फरवरी को चैदह स्वपन दर्शन एवं गुरू पूजन, देव-देवी हवन, 3 फरवरी को भव्य जन्म कल्याणक एवं 4 फरवरी को भव्य दीक्षा कल्याणक निमित्त वरघोड़ा निकाला जाएगा, 5 फरवरी को मंगल मुर्हुत में गुरू मूर्ति, ध्वज दंड, कलष मंगल मूर्ति एवं प्रतिष्ठा ध्वजारोहण होगा। महोत्सव के अंतिम दिवस 6 फरवरी को द्वार उद्घाटन किया जाएगा। महोत्सव में समस्त विधि विधिकारक अनिल हरण लिमड़ी एवं आनंदभाई तांतेड़ घुघड़का तथा पियूषभाई बोहरा नागदा द्वारा संपूर्ण करवाई जा रहीं है। संगीतकार आषीष जैन जावरा एवं संजय छाजेड़ सुवासरा है। प्रतिदिन समुधर भोजन की व्यवस्था अलग-अलग लाभार्थियों की ओर से रखी गई है। आचार्य श्रीजी की प्रेरणा स्वरूप से श्री आदिनाथ जैन तीर्थ पर भूमि दान श्वेतांबर जैन श्री संघ के वरिष्ठ अनोखीलाल मेहता परिवार ने किया है। आयोजक ट्रस्ट ने समाजजनों से सभी आयोजन में पधारकर लाभ लेने हेतु अपील की है।

श्री आदिनाथ माणिभद्र जैन तीर्थ देवझिरी में 8 दिवसीय महोत्सव अंतर्गत विषेष तैयारियां की गई है।

चुनरी यात्रा निकली

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंवाल

शिव प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चलते पहले दिन कलश व चुनरी यात्रा शीतला माता मंदिर से होते हुए मेन रोड, थाने से होते हुए, ग्राम के मुख्य मार्ग से श्री सिद्धेश्वर मंदिर पर यात्रा का समापन हुआ। इस यात्रा में बड़ी सख्या में भक्तगण चुनरी यात्रा लेकर चल रहे थे, इस दौरान जगह-जगह भक्तों ने पानी, मिठाई, आइसक्रीम, कुल्फी, फल वितरण किए। यात्रा समापन के पश्चात आरती की गई। तत्पश्चात महाप्रसादी का लुफ्त सभी उपस्थित भक्तजनो ने लिया। इस यात्रा में उज्जैन एवं शिव भूत मंडली का नृत्य भी आकर्षक रहा।

बाईक चालक की दुर्घटना स्थल पर हुई मौत

माही की गूंज, पारा।

मंगलवार-बुधवार की रात्रि में एक बाईक चालक वागड में जा कर घुसा गया। जिससे बाईक चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। चालक शव रातभर सड़क किनारे वागड़ में पड़ा रहा। वही पारा पुलिस, जानकारी देने से इंकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार जानकारी मिली अज्ञात बाइक चालक ग्राम वागलावाट का बताया जा रहा है चालक नवापाड़ा किसी कार्यक्रम में गया हुआ था, वह लौटते समय पारा-झाबुआ मार्ग पर महाबली पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप दुर्घटना हुई।

धर्मांतरण के खिलाफ है सम्पूर्ण जनजाति समाज- होश्यार सिंह मीणा'

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला छात्र सम्मेलन छात्र हुंकार का उद्घाटन सत्र झाबुआ के पैलेस गार्डन में हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित श्रीमती शांति परमार, मुख्य वक्ता एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार सिंह मीणा, विशिष्ट अतिथि अभाविप मालवा प्रांत अध्यक्ष मदन वसुनिया, कार्यक्रम में जिनकी गरिमामयी उपस्थिति रही ऐसे पद्मश्री के लिए चयनित रमेश परमार, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले के प्रसिद्ध चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सावंत अजनार ने की, परिषद के जिला संयोजक निलेश गणावा जी, नगर के अध्यक्ष डॉ कंचन चौहान, नगर मंत्री वैभव जैन और 5 हजार से अधिक विद्यार्थीओं के बीच हुआ, उद्घाटन सत्र में जिला संयोजक निलेश गणावा ने बताया की झाबुआ की कला संस्कृति पूरे विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय है एवं यहां के दर्शनीय स्थल प्राचीन एवं पूजनीय है इसके बाद गणावा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई एवं सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर अजनार ने बताया की विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा की तरफ बढ़ना चाहिए एवं देश भर में स्वास्थ्य सुविधाएं अच्छी करानी चाहिए, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अभाविप प्रांत अध्यक्ष मदन वसुनिया ने बताया की विद्यार्थि परिषद के कार्यकर्ताओं ने संकट के समय में भी छात्रों के लिए कार्य किया है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय मंत्री हुशयार सिंह मीणा ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्रों के लिए नई शिक्षा नीति को लेकर वर्षो संघर्ष किया है एवं नई शिक्षा नीति लाने में विद्यार्थी परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और सर्वाधिक सुझाव भी नई शिक्षा नीति में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने ही दिए हैं विद्यार्थी परिषद विश्व का एकमात्र ऐसा छात्र संगठन है जो छात्रों के साथ राष्ट्र की भी बात करता है उद्घाटन सत्र का संचालन प्रांत कार्यकारिणी सदस्य साकिब सैयद ने किया इसके बाद सभी छात्र-छात्राएं शोभायात्रा के रूप में शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए राजवाड़ा लक्ष्मी बाई मार्ग आजाद चौक से होते हुए बस स्टैंड पर पहुंची शोभा यात्रा का शहर के नागरिकों ने भरपूर स्वागत पुष्प वर्षा कर किया । बस स्टैंड पर परिषद का खुला मंच हुआ वहां छात्र नेताओं ने अपनी अपनी बात रखते हुए मेडिकल कॉलेज एग्रीकल्चर कॉलेज लॉ कॉलेज खोलने की मांग की एवं मॉडल कॉलेज इकाई मंत्री पिंकी वसुनिया ने नारी सशक्तिकरण की बात करते हुए माता पन्ना धाय के त्याग एवं रानी दुर्गावती के बलिदान का उदाहरण दिया उसी मंच पर बोलते हुए विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री हुशयार सिंह मीणा ने कहां कि धर्मांतरण झाबुआ की ही नहीं पूरी देश की बड़ी समस्या है और जनजाति समाज इसके विरुद्ध है, अतिथि वक्ताओं के अलावा इस कार्यक्रम में प्रांत संगठन मंत्री नीलेश सोलंकी प्रांत छात्रा प्रमुख कुमारी मोनिका पाटीदार, कृष्ण पाल यादव, दर्शन कहार, पवन परमार एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड पर सफाई अभियान भी चलाया और स्वच्छ झाबुआ स्वस्थ झाबुआ का नारा दिया।

संपादकीय

महिला क्रिकेट के नए युग की शुरूआत

महिला क्रिकेटरों ने आईसीसी अंडर-19 टी-20 विश्वकप में जिस अंदाज़ में खिताब जीता उसे महिला क्रिकेट के इतिहास में नए भारतीय युग की शुरुआत कहा जा रहा है। इस जीत की तुलना कपिल देव के नेतृत्व में 1983 में पुरुष क्रिकेट विश्वकप की आतिशी कामयाबी से की जा रही है। क्रिकेट के पंडित कह रहे हैं कि, इस जीत से भारतीय परिदृश्य में महिला क्रिकेट हमेशा के लिए जुझारु तेवरों के साथ नई ऊंचाइयां हासिल करेगा। इस विश्वकप में भारतीय खिलाड़ी हर क्षेत्र में उम्दा खेलीं। अब वह चाहे क्षेत्ररक्षण हो, बल्लेबाजी हो या फिर गेंदबाजी। इस टूर्नामेंट में कोई मैच न हारने वाली इंग्लैंड की टीम को जोश से भरी भारतीय महिला क्रिकेटरों ने महज 17 ओवर में 68 रनों पर समेट दिया और 14 ओवर में जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। दरअसल, अब तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम कोई भी आईसीसी विश्वकप ट्राफी नहीं जीत पाई। जीत की दहलीज पर पहुंचकर भी वे कामयाब नहीं हो पाई। भारतीय टीम पहली बार विश्वकप चैंपियन बनी है। वर्ष 2005 में भारतीय टीम वर्ल्डकप के फाइनल में पहुंची , मगर आस्ट्रेलिया से हार गई। फिर वर्ष 2017 में वन डे विश्वकप में फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से हार गई। इसी तरह 2020 में टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय टीम आस्ट्रेलिया से हार गई। यहां तक कि पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारतीय महिला टीम खिताब से वंचित रह गई थी। अब 19 वर्ष से कम उम्र की बेटियों ने सीनियरों की हार को जीत में बदल दिया है।

उल्लेखनीय बात यह है कि, इस जीत के बाद भारत दुनिया का अकेला देश बन गया है जिसके खाते में वन डे वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप, पुरुष अंडर-19 और महिला अंडर-19 विश्वकप हैं। यह कामयाबी भारत ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने वाली शेफाली वर्मा के नेतृत्व में हासिल की। सीनियर टीम में खेलने वाली शेफाली ने टीम को विश्व चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

बहरहाल, बेटियों की इस कामयाबी से पूरा देश गद?गद है। चारों तरफ बधाइयों का तांता लगा है। बीसीसीआई ने टीम व स्टॉफ को पांच करोड़ रुपए की राशि देने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि, पिछले वर्ष दीवाली से पहले बीसीसीआई ने अनुबंधित भारतीय महिला क्रिकेटरों को पुरुष क्रिकेटरों के बराबर फीस देने की घोषणा की थी। उनके लिए पे-इक्विटी पॉलिसी लागू करने का ऐलान किया गया। इस तरह भारतीय क्रिकेट लैंगिक समानता के युग में प्रवेश कर गया है। अच्छी बात यह है कि, अब जल्द ही महिला इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत होने जा रही है। पिछले दिनों महिला प्रीमियर लीग की बोली ने पुरुष आईपीएल उद्घाटन सीजन के रिकॉर्ड तोड़ दिये। कुल पांच टीमें 4 हजार 670 करोड़ में बिकी। दरअसल, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की टीमों के लिये बोली लगी थी। बहरहाल, अंडर-19 विश्वकप की कामयाबी ने महिला क्रिकेट के आकाश में नए रंग भर दिए हैं। टीम ने हर क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन किया। जिससे समृद्ध इतिहास और उम्दा शैली वाले इंग्लैंड व आस्ट्रेलिया के अरमानों पर पानी फेर दिया। युवा टीम में शामिल तेज गेंदबाज तितास साधु, ऑफ स्पिनर अर्चना देवी व लेग स्पिनर पार्श्वी चोपड़ा आने वाले दिनों के लिये सीनियर टीम की भी नई उम्मीदें बनी हैं। निस्संदेह, इन बेटियों की कामयाबी भारतीय समाज में बेटियों की स्थिति व हक को नए आयाम देगी। सबसे रोचक पहलू ये भी कि इन बेटियों की शोहरत के पीछे गरीबी की कई कहानियां भी दर्ज हैं। इन बेटियों के लिये पर्याप्त सुविधाएं नहीं थी। लड़कों के साथ खेलने के लिए कई ने अपने बाल कटवाए। मां-बाप ने त्याग करके बेटियों के अरमानों को पूरा किया। किसी पिता ने अपने बेटी की कामयाबी के लिए ज्यादा मजदूरी की तो कहीं समाज के तानों के आगे मां ढाल बनकर खड़ी हो गई। बहरहाल अभावों की तपिश ने उन्हें सोना बना दिया। आज ये गुदड़ी के लाल देश की प्रतिष्ठा में सितारे लगा रही हैं। सचमुच भारतीय महिला क्रिकेट का परिदृश्य बदलने वाला है।

छवि बदलने में कामयाब हुए राहुल गांधी!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भारत को एकजुट करने और आमजनता के साथ मिलकर देश को मज़बूत करने के लिए दक्षिण से उत्तर भारत तक निकाली गई। भारत जोड़ो यात्रा का 30 जनवरी को श्रीनगर जम्मू कश्मीर में भारी हिमपात के बीच खुले आसमान के नीचे समापन हो गया। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वे देश में नफ़रत के ख़िलाफ़ मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं। उन्होंने जगह-जगह भाषण देते हुए और मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि यह यात्रा कांग्रेस के लिए नही बल्कि देश को जोड़ने के लिए है। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और बेरोज़गारी महंगाई भारत के सीमा क्षेत्र में चीन के दख़ल का मुद्दा भी उठाया। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने क़रीब चार हज़ार किलोमीटर की दूरी तय की है। उन्होंने भारी ठंड में टी-शर्ट पहनकर यात्रा करते हुए उन गरीब बच्चों का उदाहरण भी दिया जिनके पास पहनने के प्रयाप्त कपड़े नही है। इसी कारण उनका टी-शर्ट पहनने का मुद्दा छाया रहा। आज़ाद भारत में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पदयात्रा के बाद राहुल गांधी की यह यात्रा खास चर्चा का कारण बनी है।

राहुल गांधी ने इस यात्रा के माध्यम से अपनी छवि को भी सुधारा है और उनके साथ अन्य दलों के लोग भी समर्थन को आए है। तभी तो भारत जोड़ो यात्रा के द्वारा राहुल गांधी ने एक मज़बूत और गंभीर नेता की छवि बनाई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी कही बच्चों के साथ खेलते नज़र आए तो कहीं बुजुर्ग महिला का हाथ थामकर उनका होंसला बढाते दिखाई दिए। तो कहीं आम लोगों को गले लगाकर उनका दुःख दर्द बांटते रहे।जिससे राहुल गांधी की एक सकारात्मक छवि बनकर उभरी है।कहा जा सकता है कि इस यात्रा ने राहुल गांधी के व्यक्तित्व को भी गंभीर बनाया है। राहुल गांधी ने इस यात्रा के द्वारा हिंदुस्तान को निकट से देखा हैजिससे उन्होंने देश के हर गंभीर मुद्दे को समझने की कौशिश की। इस यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के मज़बूत नेतृत्व के सामने एक ताक़तवर विकल्प के रूप में खड़े होने की कोशिश इस यात्रा के ज़रिए की है। यदि राहुल गांधी को बराबर का नेता ना भी कहें तब भी अब वो कतार में तो आ ही गए हैं। चूंकि लोग अब लोग राहुल गांधी को मोदी के विकल्प के रूप में गंभीरता से ले रहे हैं। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सांप्रदायिकता का मुद्दा जोर शोर से उठाया और लोगों को मिलकर एक साथ रहने का संदेश दियाजो एक सार्थक पहल कही जा सकती है। राहुल गांधी की इस भारत जोड़ो यात्रा का मक़सद सबसे पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर ही उन्हें गंभीर नेता के तौर पर स्थापित करना थाजिसमे उन्होंने कामयाबी हासिल की है।

लोग सवाल उठा रहे थे कि पूरे देश में मोदी और बीजेपी के ख़िलाफ़ केंद्र में कौन होगा?विकल्प न होने के कारण ही न चाहते हुए भी मोदी को चुनना लोगो की मजबूरी बनी हुई थीलेकिन इस यात्रा से राहुल गांधी ने इसका जवाब देने की कोशिश की हैस्वयं को स्थापित करके स्वयं को मोदी का विकल्प सिद्ध किया है। नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से उनके विरोधियों को भारत जोड़ो यात्रा ने पहली बार इस तरह का प्लेटफ़ॉर्म दिया है।

भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता में आते ही पहला काम ये किया कि कांग्रेस को विपक्षी दल का दर्जा ना देते हुए उसे क्षेत्रीय दलों से भी कमतर साबित करने और राजनीति में किनारे करने की कोशिश की थी।ऐसे में राहुल गांधी के लिए सबसे जरूरी था कि देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित किया जाए। भारत का शायद ही कोई गांव ऐसा होगा जहां कांग्रेस पार्टी को लोग ना जानते होंया फिर इस पार्टी के चाहने वाले न हो।

विपक्ष में रह-रहकर क्षेत्रीय नेता विपक्ष के केंद्र में आने का ख्वाब पालने लगे थे कभी ममता बेनर्जी कभी नीतीश कुमार कभी केसीआर तो कभी अरविंद केजरीवाल स्वयं को मोदी का विकल्प मानने लगे थे लेकिन इस यात्रा के ज़रिए राहुल गांधी ने यह साबित करने की कोशिश की है कि, देश में सत्ता के विपक्ष का केंद्र कांग्रेस व राहुल गांधी ही हैं।

देश में विपक्ष कांग्रेस के बिना नहीं हो सकता ।जब कांग्रेस सत्ता में थी तब बीजेपी या संघ परिवार उसके विरोध का केंद्र होता था। अब कांग्रेस के सामने यह चुनौती थी कि वह अपने आप को विपक्ष का केंद्र बनाए। राहुल गांधी ने इस यात्रा से अपने इसी लक्ष्य को प्राप्त किया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 30 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में खत्म हुई। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 7 सितंबर को शुरू हुई इस यात्रा ने करीब 3570 किलोमीटर का सफर तय किया है। जब यात्रा श्रीनगर पहुंची तो उनके स्वागत को जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां भारी बर्फबारी के बाद भी कश्मीर के लोग यात्रा में शामिल हुए। कुल 146 दिन के इस भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने 14 राज्यों की सीमाओं को छुआ है। इनमें तमिलनाडु के कन्याकुमारी से केरल आंध्र प्रदेश कर्नाटक तेलंगाना महाराष्ट्र मध्य प्रदेश गुजरात राजस्थान यूपी दिल्ली हरियाणा पंजाब और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं।

शेर-ए-कश्मीर मैदान श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने मंच साझा किया। कड़ी सुरक्षा और भारी बर्फबारी के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा डीएमके जेएमएम बीएसपी नेकां पीडीपी सीपीआई आरएसपी वीसीके और आईयूएमएल के नेताओं ने भाग लिया। कश्मीर में बर्फबारी देख राहुल-प्रियंका के चेहरे खिले रहे। उन्होंने एक दूसरे पर बर्फ भी फेंकी और खुशियां मनाई। यात्रा में शामिल अन्य पदयात्रियों ने भी बर्फबारी का जमकर लुत्फ उठाया। यात्रा की शुरुआत से समापन तक इस यात्रा का चर्चाओं में रहना इसकी सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

नए अवतार में शिवराज सिंह चौहान

मध्य प्रदेश में इन दिनों बीजेपी पूरी तरह चुनावी रंग में है। पिछले विधानसभा चुनाव में मात खा चुकी पार्टी अब येन-केन-प्रकारेण अगला चुनाव जीतने की जुगत में है। पार्टी भले ही अभी खुलकर चुनावी मुहिम पर नहीं लगी हो, पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने जरूर मोर्चा संभाल लिया। तीन महीने में जनता को उनका रूप बदला हुआ नजर आने लगा है। वे अब पहले वाले शिवराज नहीं रहे! मंच पर भी वे कुर्सी पर नहीं बैठते, बल्कि माइक हाथ में लेकर घूमते हुए जनता से बात करते और अफसरों को धमकाते नजर आते हैं। जनता इनके इस बदले रूप से चमत्कृत है। पहली बार वे उस शिवराज से मुखातिब हैं, जो सीधे कोड़ा फटकारते दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के इस रौद्र रूप से अफसरों में घबराहट है, पर जनता खुश है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरकार के सिस्टम को सुधारने के क्रम में दस-बारह अधिकारियों और कर्मचारियों को मंच से ही सस्पेंड कर दिया। इसी साल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में जरूरी था कि जनता और सरकार के बीच की दूरी को पाटा जाए। जनता को कुछ ऐसा दिखाया जाए, जो नया हो! शिवराज सिंह की राजनीतिक शैली है कि वे घोषणाएं करने में कभी नहीं चूकते! कहीं से मांग उठी कि एक नई घोषणा कर दी। इनमें कुछ पूरी होती है, कुछ लोग भी भूल जाते हैं और सरकार भी! ऐसे में जनता को आकर्षित करने का सबसे आसान तरीका था कि उन्हें मंच से ही सरकार के एक्शन दिखाए जाएं!

सिर्फ मौखिक शिकायत पर मुख्यमंत्री के अफसरों और कर्मचारियों को बिना जांच-पड़ताल के सस्पेंड करने के आदेश से गांव की जनता तालियां पीटने लगती है। उन्हें लगता है कि मुख्यमंत्री ने सही तो किया। लेकिन, बाद में कोई शायद ही पता करता होगा कि सस्पेंड हुए अधिकारियों और कर्मचारियों का क्या हुआ! क्योंकि, लोग सिर्फ तात्कालिक प्रतिक्रिया से खुश होते हैं, बाद में क्या हुआ, इससे उन्हें कोई वास्ता नहीं! पिछले दिनों शिवराज सिंह औचक निरीक्षण के लिए डिंडौरी पहुंच गए। वहां बांध निर्माण के काम में भ्रष्टाचार के आरोप में तीन बड़े अफसरों को सस्पेंड कर दिया। इससे पहले बड़वानी और बैतूल जिले में मंच से ही कई अफसरों और कर्मचारियों को निलंबित करने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री आजकल सीधे जनता के बीच जा रहे हैं। वे किसानों, ग्रामीणों की समस्या सुन रहे हैं। मंच से ही मौजूद जनता से सवाल करते हैं, जवाब लेते हैं और कार्रवाई के निर्देश देते हैं। लोगों ने ऐसा पहले कभी न देखा है न सुना है!

मुख्यमंत्री अपने भाषणों में गुंडे-माफियाओं को भी चेतावनी देते हैं। अब उन्होंने आदिवासी युवतियों से शादी करके आदिवासियों की जमीन की अफरातफरी करने वालों को भी धमकाना शुरू कर दिया। उन्होंने इसे भी 'लव जिहाद' का नाम दिया। शिवराज सिंह आजकल नया मध्य प्रदेश बनाने की भी घोषणा कर रहे हैं। अपने खास अंदाज में ये भी कहते हैं कि 'प्रदेश में अब कमाने वाला खाएगा, लूटने वाला जेल जाएगा।' हर मंच से मुख्यमंत्री एक ही बात दोहराते हैं कि अगर जनता को कोई दिक्कत हुई, तो मामा उसको छोड़ेगा नहीं।

शिवराज सिंह चौहान इन दिनों हेलीकॉप्टर से औचक दौरा कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन को भी अंतिम समय में मुख्यमंत्री के आने की जानकारी दी जाती है। उनकी इस एक्शन वाली भूमिका से सरकारी अमले को समझ नहीं आ रहा कि क्या किया जाए! क्योंकि, अब मुख्यमंत्री किसी भी शिकायत पर कार्रवाई कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री का यह अंदाज पूरी तरह चुनावी है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि, ये मुख्यमंत्री का पहला कार्यकाल नहीं है। वे 18 साल से प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। फिर क्या कारण है कि अभी तक उनका यह अंदाज कभी नजर नहीं आया! उनके इतने लम्बे कार्यकाल के बाद भी यदि अफसर-कर्मचारी लापरवाह हैं, तो इसका जिम्मेदार कौन है! निश्चित रूप से इसके लिए सरकार के अलावा कोई और नहीं!

मुख्यमंत्री का यह अंदाज पहली बार पिछले साल सितम्बर में लोगों ने देखा था। उन्होंने आदिवासी छात्रों से फोन पर दुर्व्यवहार करने वाले झाबुआ के एसपी को तत्काल हटा दिया था। बताते हैं कि सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें एसपी अरविंद तिवारी छात्रों से अशोभनीय व्यवहार करते सुनाई दे रहे थे। मामला संज्ञान में आते ही मुख्यमंत्री ने मामले की रिपोर्ट मांगी और उन्हें निलंबित कर दिया।

हेमंत पाल

इन छात्रों ने अपनी सुरक्षा को लेकर एसपी से गुहार लगाई थी। लेकिन, एसपी ने सुरक्षा देने के बजाय उन्हें फटकार दिया था। इस घटना के अगले दिन कलेक्टर सोमेश मिश्रा को भी हटा दिया।

अब मुख्यमंत्री गांव के लोगों और किसानों से सीधे मिलते हैं, उनकी शिकायत सीधे सुनते हैं और अफसरों को सस्पेंड करने में देर नहीं करते! शिवराज इन दिनों अपनी जननेता की छवि बनाना चाहते हैं। वे पूरी तरह चुनाव के मूड में आ गए और चुनाव जीतने का कोई मौका गंवाना नहीं चाहते! लेकिन, कहीं ऐसा न हो कि छोटे अफसरों और कर्मचारियों को टांगने का उनका अंदाज उनके गले पड़ जाए! क्योंकि, चुनाव में इन्हीं लोगों की भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण होती है।

कृत्रिम भोजन के खतरों पर बहस जरूरी

खबर परेशान करने वाली है कि 'जीएम वॉच' नामक प्रभावशाली और स्वतंत्र निगरानी समूह, जो कि जीएम उद्योग के अतिशय प्रचारों और झूठे दावों का पर्दाफाश करता है, ने एक ट्वीट कर बताया है 'कंपनियां फल-मक्खियों (फ्रूट फ्लाई) में आनुवांशिक बदलाव करके कृत्रिम मांस पैदा करने में प्रयुक्त मूल अवयव प्राप्त कर रही हैं। पहले बड़े पैमाने पर मक्खियों को पैदा करके पाला-पोसा जाता है, फिर मारकर चूरा बनाया जाता है, कृत्रिम मांस बनाने के लिए जो मूल प्रोटीन जरूरी है, वह इससे निकाला जाता है।' जाहिर है यह ट्वीट कृत्रिम मांस बनाने में विकास की हालिया खबरों के संदर्भ में है, लेकिन इसका ज्यादा महत्व इस पर है कि प्रोटीनका विकल्प किस तरह पाया जाएगा।

यह सूचना ऐसे वक्त पर आई है जब 'सोलर फूड्स' नामक एक निजी कंपनी, फिनलैंड के हेलिसिंकी के निकट विरल हवा से वैकल्पिक प्रोटीन का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करने के लिए इकाई स्थापित करने जा रही है। इस प्रक्रिया में, वायु में मौजूद कार्बन डाई-ऑक्साइड, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन से बैक्टीरिया पैदा किया जाएगा, जिससे आगे प्रोटीन बनेगा, उत्पादन इसी साल शुरू होने की उम्मीद है। एक इकाई से प्रति वर्ष 100 टन उत्पाद मिलेगा जो कि 4-5 लाख भोजन खुराक बनाने लायक काफी होगा।

इसी बीच सिंगापुर व्यावसायिक तौर पर कृत्रिम मांस बनाने वाला पहला देश बन गया है। चूंकि सिंगापुर के कुल क्षेत्रफल का 1 फीसदी से भी कम भूभाग पर खेती है, लिहाजा खाद्य उत्पादन सदा नगण्य रहा है। सिंगापुर अपनी खाद्य जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा 170 देशों से आयात करता है, इसलिए खाद्य-सुरक्षा सुनिश्चित करने के मामले में सिंगापुर की स्थिति हमेशा ही नाजुक रही है। यह बात आयात से खाद्य आपूर्ति करने वाले किसी भी देश पर लागू है। इससे वह वक्त याद आता है, जब भारत में भी, हरित क्रांति से पहले हमें भी बहुत बड़ी मात्रा में खाद्य आपूर्ति विदेशों से करनी पड़ती थी। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को इसका इंतजाम करने लिए न मालूम विदेशी मुल्कों के किन-किन दबावों और अभद्रता का सामना करना पड़ता होगा। तभी तो एक बार टीस जाहिर की थी 'किसी देश के लिए खाद्य के लिए दूसरों के सामने हाथ फैलाने से बढ़कर कोई और बेइज्जती नहीं हो सकती, इसलिए बाकी सब कुछ में इंतजार कर सकता है लेकिन खेती पर आत्मनिर्भरता में नहीं।'

सिंगापुर अब एशिया का 'प्रोटीन धुरा' बनने की योजना बना रहा है। इसके लिए 36 कंपनियों ने कृत्रिम मांस उत्पादन के लिए 21.3 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसे 'सैल्युलर एग्रिकल्चर' भी पुकारा जाता है। इनके अलावा इस क्षेत्र में काफी नव-उद्यम स्थापित हो रहे हैं। पहले से वहां 17 व्यापारिक कंपनियां वनस्पति आधारित प्रोटीन उत्पाद बेच रही हैं। इसलिए अब कृत्रिम मांस उत्पादन की राह पकड़ना तय था। बतौर पहला कदम, अमेरिका स्थित 'गुड मीट' ऐसी पहली कंपनी है, जिसने सिंगापुर के कृत्रिम मांस नियामक नियमों को पूरा कर दिखाया है। दिसम्बर, 2020 से यह कंपनी वहां कृत्रिम-चिकन मांस बेच रही है। इसने घोषणा की है कि अगले कुछ सालों में 13,000 टन कृत्रिम गोमांस भी बनाने लगेगी, जिससे पशुओं को काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक अन्य अमेरिकी कंपनी 'ईट जस्ट' ने भी कृत्रिम चिकन मांस बेचना शुरू किया है, हालांकि आरंभिक कीमत ऊंची होने की वजह से बिक्री ज्यादा नहीं है। पर इन कंपनियों को उम्मीद है कि आने वाले सालों में जैसे-जैसे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी वैसे-वैसे लागत कम होती जाएगी।

जो भी है, ये कंपनियां पशुधन आधारित उद्योगों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन पर बनी चिंताओं का दोहन कर रही हैं। 'नेचर' नामक वैज्ञानिक पत्रिका में छपा एक अध्ययन बताता है कि वैश्विक तापमान नियंत्रित करने की खातिर इंसानों को भोजन और तकनीक के क्षेत्र में बदलाव लाना आवश्यक है। इसके लिए, गोमांस की खपत में 75 फीसदी की कमी तो सूअर मांस में 90 प्रतिशत और अंडों की रोजाना खपत आधी करनी पड़ेगी। जबकि हकीकत यह है कि मांसाहारी उत्पादों की खपत बढ़ती जा रही है। अमीर मुल्कों में गाय और सूअर के मांस की खपत बहुत ज्यादा है। यह भी एकदम साफ है कि जीवनशैली में ऐसा कोई बदलाव, जिसमें खानपान की आदतें बदलनी पड़ें, कर पाना बहुत कठिन है। इसलिए, कंपनियों का दावा है, केवल कृत्रिम मांस उत्पादन अपनाने से ही जैव-विविधता बच पाएगी, पशुपालन में प्रयुक्त भूभाग बचेगा और पर्यावरण पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव घटेगा।

पिछले 50 सालों में, मांस की खपत दोगुणी हो गई है। सकल कृषि संबंधित गतिविधियों से होने वाले ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 60 फीसदी हिस्सा पशुधन संबंधित है। इसमें भी सूअर मांस उत्पादन का योगदान सबसे अधिक है जो कि चिकन मांस से चार गुणा अधिक है। दुनियाभर में रोजाना लगभग 13 करोड़ मुर्गे मांस के लिए काटे जाते हैं।

एक मजेदार रिपोर्ट, जिसका शीर्षक है 'प्रोटीन की राजनीतिदृ पशुधन, मछली, वैकल्पिक प्रोटीन के अतिशय दावों और टिकाऊपन की परख'। यह रिपोर्ट इंटरनेशनल पैनल ऑफ एक्सपर्ट ऑन सस्टेनएबल फूड सिस्टम (आईपीईएस) की है, जो प्रोटीन की आपूर्ति अन्य तरीकों से करने पर चर्चाओं में बने ध्रुवीकरण को उजागर करती है। दुनियाभर में बहस प्रोटीन केंद्रित है, मानो यह केवल प्रोटीन की कमी है जिससे विश्व में भूख और कुपोषण व्याप्त है। इस संदर्भ में, पशुओं को हमेशा मांस की नज़र से देखा जाता है और मांस को प्रोटीन का पर्याय। इस बाबत, रिपोर्ट आगे बताती है कि प्रोटीन को लेकर बनी नव-आसक्ति अब वैज्ञानिक और राजनीति एजेंडों पर हावी होती जा रही है।

निःसंदेह, पशुधन को सिर्फ मांस प्राप्ति के चश्मे से नहीं देखा जा सकता, पीढ़ियों से मानव जीवन के विकासक्रम में पशुओं द्वारा निभाई बहु-आयामी भूमिका की अनदेखी की जा रही है। कुछ साल पहले, जब जीएम फसलों की सार्थकता को लेकर बहस आरंभिक चरणों में थी, मुझे एक अमेरिकी वैज्ञानिक की ईमेल मिली, जिसमें वे जीएम तकनीक पर मेरे द्वारा उठाए सवालों को लेकर खफा थे। उन्होंने जानना चाहा, 'यदि नई तकनीक से दुनिया को भोजन मिलता है तो इस पर मुझे एतराज़ क्यों।' उन्होंने अपना परिचय बतौर एक नासा वैज्ञानिक दिया, जो अंतरिक्ष यात्रियों के लिए वहीं पर भोजन पैदा करने पर खोज कर रहे थे। जवाब में मैंने समझाया कि सवाल कंपनियों द्वारा यथेष्ट खाद्य पैदा करने का नहीं है, लेकिन यहां पर यह समझना जरूरी है कि ऐसा होने पर करोड़ों ऐसे छोटे किसान, जो खाद्यान्न पैदा कर रहे हैं, उनका रोजगार, आमदनी, खाद्य सुरक्षा और रिवायती लालन-पालन सामर्थ्य छिन जाएगी।

देविंदर शर्मा

पशुधन से उत्पन्न ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि की जो समस्या आज विश्व के समक्ष है वह भी मुख्यतः कॉर्पोरेट्स द्वारा कृषि को उद्योग जैसी प्रणाली से हांकने का परिणाम है। इसका निदान है कि खेती को फैक्टरी सरीखे तौर-तरीकों से चलाने पर लगाम लगे। लेकिन, तकनीक-चालित खाद्य उपायों के प्रति बढ़ता समर्थन, जिससे कृत्रिम मांस उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, दरअसल उसी औद्योगीकृत खेती की तीव्रता, घनत्व और क्रूरता को मजबूत करना होगा, जो असल दोषी है। पहले ही 170 कंपनियां कृत्रिम मांस बनाने के धंधे में हैं और इसमें 20 फीसदी सालाना वृद्धि हो रही है, पशुधन आधारित उद्योग के कुछ सबसे बड़े नाम भी 'सैल्युलर एग्रिकल्चर' में निवेश कर रहे हैं।

दरअसल, वैकल्पिक प्रोटीन का महत्व बढ़ा-चढ़ाकर बताया जा रहा है और इससे पहले कि आप जागें, खाद्य व्यवस्था औद्योगिकीकरण से बनने वाले खतरे का अन्य चरण हमारे समक्ष होगा। जिन भ्रामक दावों को अभी तथ्य मानकर यकीन किया रहा है, उस पर जनता के बीच खुली चर्चा-बहस जरूरी है। विशेषज्ञों को भी पहल करने एवं अधिक सक्रिय होने की जरूरत है और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि थोपी जा रही नव-भोजन संस्कृति के गंभीर पहलुओं की समझ आमजन में बने।

खबर प्रकाशन से बौखलाई खनिज विभाग की निकम्मी

अधिकारी कामिनी गौतम कार्रवाई के नाम पर कर रही लीपापोती

माही की गूंज, शाजापुर।

जिस तरह हमारे द्वारा पूर्व के अंको में निरंतर व लगातार खनिज विभाग व उसकी अनदेखी अधिकारी कामिनी गौतम के विरुद्ध खबर प्रकाशित की गई थी। उसी के बाद से खनिज विभाग की सर्वे सर्वा बनी बैठी कामिनी गौतम बौखलाई हुई है और कार्यवाही के नाम पर मध्यप्रदेश शासन तक को धोखा देते हुए सिर्फ और सिर्फ लीपापोती करने में लगी हुई है। जिसका ताजा उदाहरण पिछले दिनों में देखने को मिला, जिसमे पत्रकारों द्वारा अवैध तरीके से खनिजो के उत्खनन के संबंध में जब मैडम को सूचना दी गयी तो पहले तो मेडम ने अलीराजपुर में पेशी पर होंने का हवाला देकर कार्यवाही करने से कन्नी काट ली और जब हमारे द्वारा खबर प्रकाशित की गई, तब जाकर मैडम कार्यवाही का दिखावा करते हुए गस्त पर निकली ओर घर लौट गई।

विश्वशनीय सूत्रों द्वारा तो यहा तक सूचना मिली है कि, जब मैडम कार्यवाही का दिखावा करने के लिए गस्त पर निकलती है तो संबंधित विभाग से ही खनिज माफियाओ को पहले ही सूचना दिलवा दी जाती है कि मैडम आज शहर की और गस्त पर निकली है ओर उन्ही सूचनाओं के बाद शहरभर के खनिज माफिया पहले से सचेत हो जाते है।

क्या अपनी कर्तव्यनिष्ठा से भटककर चम्बल के डाकुओ की तरह कार्य कर रही है कामिनी गौतम

आजकल जिले के अधिकांश विभागो में कुछ चुनिंदा कर्मचारियों के कारण विभागों की छवि मटियामेट हो रही है। जो खुद तो कार्य के प्रति सजग नही रहते है साथ ही साथ संबंधित विभाग की साफ सुथरी छवि पर बट्टा लगाकर व जनता के हितों को भुलाकर चम्बल के डाकुओ की तर्ज पर कार्य करने लग जाते है। जैसा कि आजकल खनिज विभाग के अधिकारियो द्वारा किया जा रहा है जिसमे विभाग की छवि को दागदार करने में प्रथम श्रेणी की भूमिका कामिनी गौतम निभा रही है और शहरभर में खनिज विभाग की सहकारी भूमि पर अवैध उत्खनन करने वाले माफियाओ के खिलाफ प्रामाणिक तथ्य व सूचना होने के बाद भी मैडम कार्यवाही में कोताही बरतते हुए चम्बल के डाकुओ की तरह कार्य करने में लगी हुई है। अब मैडम को कोन समझाए की जिस जनता के टैक्स की राशि से आपको तनख्वाह मिल रही है उसके प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझा जाएं ओर थोडी ही सही अगर माफियाओ पर आपके द्वारा कार्यवाही हो जाए तो जनता का आप पर से कर्ज उत्तर जाएगा ओर माफियाओ से छुटकारा मिल जाएगा।

खनिज अधिकारी की अनदेखी के कारण रेत माफिया के हौंसले सातवें आसमान पर

अवैध नामांतरण मुद्दा उठाने पर महिला पत्रकार और पत्रकार साथी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कुर्सी की दबंगई निगल रही लोकतंत्र को, भ्रष्ट आधिकारी दबाना चाहते हैं सच की आवाज

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

नरसिंहगढ़ राजस्व से जुड़ा नामांतरण मामला जिस में हुई गड़बड़ियों को लेकर महिला पत्रकार अंकिता जोशी और पत्रकार रवि शर्मा उर्फ टीटू के खिलाफ धारा 505 (2) के तहत कायमी की गई है। क्योंकि भाजपा कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है। क्योंकि यह रोष अवैध तरीके से हुए नामांतरण पर व्याप्त नहीं हुआ लेकिन अवैध नामांतरण पर सवाल उठाने वालों पर यह कायमि कर ली गई।

वैसे तो पुलिस थाने में फरियादी को कई चक्कर काटने पड़ते हैं घंटों थाने पर बिताने के बाद एफ आई आर दर्ज की जाती है। लेकिन यहां पत्रकार के खिलाफ बिना आधार के बिना जांच के एफ आई आर दर्ज कर ली गई तो यह कह पाना आसान है कि किस प्रकार कुर्सी का दबाव या कुर्सी का रौब जमाया जा रहा है। क्योंकि इस खबर के साथ पर्याप्त दस्तावेज साझा किए गए हैं जिससे जनता को समझने में आसानी होगी कि अगर लोकतंत्र खत्म हो जाता है तो किस प्रकार यह कुर्सी पर बैठने वाले जनता को दबायेंगे। किस प्रकार जनता को प्रताड़ित करेंगे। यह जनता पर निर्भर करता है कि वह किसे अपना जनप्रतिनिधि बना चुकी है या बनाने वाली है।

राजस्व के नामांतरण मामले में पहले भी सभी दस्तावेज खुलेआम साझा किए गए थे और आज भी खुलेआम यह दस्तावेज साझा किए जा रहे हैं चूंकि यह दस्तावेज के आधार पर जिन नामों का उल्लेख हुआ है उसे प्रकाशित करने पर अगर एक पत्रकार सलाखों के पीछे जाता है तो ऐसे भ्रष्ट अधिकारी खुलेआम भ्रष्टाचार करेंगे।

अगल-अलग हादसे में हुई मौत, शादी बदली मातम में

बारात लेकर गए रिश्तेदार पर ही चढ़ गई कार, मौके पर ही मौत तो डीजे के चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक की मौत

माही की गूंज, रतलाम।

औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने के फतेहगढ़-गोपालपुरा से शिवगढ़ के केलदा जा रही थी बारात में हुवे हादसे में एक की मौत हो गई। शादी के कार्यक्रम को पूरा करने के बाद बारात लेकर खुशी-खुशी जा रहे परिवार में उस समय मातम पसर गया जब दुल्हे के ताऊजी पर कार चढ़ गई और उनकी मौत हो गई। यह बारात औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने के फतेहगढ़-गोपालपुरा से शिवगढ़ के केलदा जा रही थी और इसी दौरान यह हादसा हो गया। मृतक के पुत्र रुघनाथ ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

इधर डीजे की चपेट में आये बालक की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

रतलाम जिले के सैलाना में सैलाना शिवगढ़ मार्ग स्थित सांसर ग्राम पंचायत के गांव मन्याबारी में सोमवार को आठ साल के सुरेश पिता पूंजा चरपोटा निवासी भूरापाड़ा की डीजे वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। दुर्घटना के बाद लोगों को पता चलता तब तक डीजे वाहन चालक वाहन को भगाकर लाया और थाने पर जाकर खुद को पेश कर दिया। जैसे ही ग्रामीणों को इस बात की जानकारी लगी तो बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंच गए और घेराव कर दिया। उनकी मांग थी कि वाहन और चालक को उनके सुपुर्द किया जाए। बढ़ता आक्रोश देख बाहर से पुलिस बल को सैलाना बुलाया गया। बड़ी मुश्किल से मामला शांत हुआ। शाम को मासूम का पोस्टमार्टम कराया गया। शादी में आया था परिवार के साथ नायन पंचायत के भूरापाड़ा निवासी सुरेश अपने गांव के ही दित्तू निनामा के यहां बारात में आया था। बाराती भोजन कर रहे थे। मृतक सुरेश और उसके दो दोस्त कुछ सामान खरीदने के लिए सडक़ के किनारे किनारे जा रहा था। इसी दौरान शिवगढ तरफ से तेज रफ्तार मे एक डीजे वाहन आरजे 09 जीडी 5185 तेजी से निकला और सुरेश और उसके दो दोस्तों को अपनी चपेट मे ले लिया। सुरेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और उसके अन्य दो दोस्तों को भी मामूली चोटे आई।

ग्रामीणो ने घेरा थाना

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन व आसपास के लोग डीजे वाहन का पीछा करते हुए सैलाना तक आए। डीजे वाहन चालक वाहन को मन्याबारी से लेकर सैलाना बाजार में होते हुए बेहद तेज गति से पुलिस थाना परिसर में प्रवेश कर गया। डीजे वाहन के इस तरीके से थाना परिसर में प्रवेश करने पर पुलिस भी मामले को समझ नहीं पाई। वाहन के पीछे-पीछे सैकड़ो की संख्या में परिजन और ग्रामीण भी थाने पहुंचे। भीड़ पुलिस थाने में घुसने की कोशिश करते हुए आरोपी को उनके हवाले करने की मांग करने लगी। भीड़ को अनियंत्रित होते देखकर पुलिस ने प्रमुख दरवाजा बंद कर आरोपी ड्राइवर को अपने कब्जे में ले लिया। मामला बिगड़ता देख एसडीओपी इडला मौर्य, थाना प्रभारी अयूब खान ने दूसरी जगहों से भी पुलिस फ़ोर्स को सैलाना बुलवाया।

डीजे से हुई बालक की मौत के बाद सैलाना थाना का घेराव करते ग्रामीण।

जिसे दो दिन से तलाशते रहे नदी में वो प्रेमी के साथ चित्तौड़गढ़ में मिली

माही की गूंज, मंदसौर।

अभिनंदन नगर क्षेत्र की एक 22 वर्षीय युवती के बायपास स्थित शिवना पुल से कालाभाटा बांध के बेकवाटर में गिरने की खबर पर लगभग दो दिन तक गोताखोर उसे पानी में तलाशते रहे। पर वह डूबने की झूठी खबर फैलाकर अपने प्रेमी के संगे पहले अजमेर व फिर चित्तौड़ पहुंच गई। जब पुलिस का दबाव बढ़ा तो दोनों सोमवार सुबह घर लौट आए। फिलहाल युवक-युवती दोनों ही अपने-अपने घर चले गए हैं और अब पुलिस झूठी खबर फैलाने के मामले में कार्रवाई की तैयारी कर रही हैं।

आपकी बेटी नदी में कूद गई

कोतवाली टीआइ अमित सोनी ने बताया कि युवती शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे अपने घर से निकली थी। शाम करीब साढ़े 5 बजे किसी ने युवती के पिता को मोबाइल पर सूचना दी कि आपकी बेटी कालाभाटा बांध के पास बायपास स्थित शिवना पुल पर स्कूटी खड़ी कर पानी में कूद गई है। इसके बाद पिता और स्वजन घबराते हुए घटनास्थल पर पहुंचे। वहां स्कूटी व युवती की चप्पलें भी मिली। सीएसपी सतनामसिंह, नई आबादी थाना प्रभारी संदीप मंगोलिया सहित एसडीआरएफ व नपा की टीम ने मौके पर पहुंचकर पानी में युवती को तलाशने का काम शुरू कराया। कड़कड़ाती ठंड में गोताखोर रात 10:30 बजे तक कालाभाट बांध के बैकवाटर में नेहा को खोजते रहे। इसके बाद सर्च आपरेशन रोक दिया गया। रविवार सुबह से फिर टीम पानी में युवती को खोजने उतरी। पर कहीं भी अता-पता नहीं मिला। इस चक्कर में पुलिस अधिकारी और गोताखोर दोनों परेशान होते रहे।

फोन करने वाले का पता किया तो खुला सारा राज

इसी बीच पुलिस अधिकारियों ने नेहा के पिता से फोन करने वाले युवक के नंबर लिए और उसकी जांच-पड़ताल शुरू की तो वह सिम 21 वर्षीय आर्यन खां मेवाती निवासी संजीत रोड के नाम से मिली। यह नंबर बंद आ रहा था और पुलिस आर्यन को खोजने गई तो वह भी घर से गायब था। इसके बाद पुलिस को शक हो गया कि दोनों गायब हैं। कार्रवाई शुरू की तो पता चला की आर्यन और युवती अजमेर में थे और रविवार को चित्तौड़ आ गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को चित्तौड़ से दस्तयाब कर लिया। सोमवार सुबह दोनों को मंदसौर ले आया गया। जहां से युवती अपने माता-पिता के घर चली गई।

कांग्रेस कमेटी ने किसानों की फसलों के मुआवजे एवं बीमा राशि को लेकर सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शामगढ।

शामगढ़ एवं मेलखेड़ा ब्लॉक कांग्रेस द्वारा गरोठ विकासखंड में बेमौसम बारिश एवं ओलावृष्टि से किसानो की फसलों को हुए नुकसान को लेकर आज शामगढ़ तहसील कार्यालय पर सुवासरा विधानसभा पूर्व प्रत्याशी राकेश पाटीदार की उपस्थिति में शामगढ तहसीलदार के नाम आरआई राकेश गँवारिया के नाम ज्ञापन दिया गया ।ज्ञापन में लिखा गया कि, विगत दो दिन से लगातार बेमौसम बारिश एवं ओलावृष्टि से सभी गांवों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। जिससे किसान बहुत दुखी और हताश है, फसले लगभग सभी पकने की कगार पर थी किसानों के मुंह में आया हुआ निवाला प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर छीन लिया है। जिसके चलते जल्द से जल्द फसलों की नुकसानी का सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा व बीमा दिलवाया जाने की मांग की गई ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सके।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश (सोनू) जायसवाल, ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष हरिशंकर धाकड़, मेलखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष करणसिंह रावत, जिला उपाध्यक्ष मनोज मुजावदिया, युकां ब्लॉक अध्यक्ष पवन पांडे, नगर अध्यक्ष पंकज मुजावदिया, संग्रामसिंह कुरावन, दुलेसिंह दसोरिया, फिरोज अगवान, जगदीश मेहता, ब्लॉक प्रवक्ता गोरा पठान, दशरथ राठौर, भरत राठौर, राजू श्रीवास्तव, हरीश विश्वकर्मा, दिनेश बैरागी, कन्हैयालाल सिसोदिया, शंभूपुरी, रामसिंह लालपुरा, रामेश्वर पाटीदार, श्याम गुर्जर, उदयलाल पाटीदार, नारायण सिंह, प्रीत खत्रा, जुहैद बैग आदि कांग्रेसजन उपस्थित हुए।

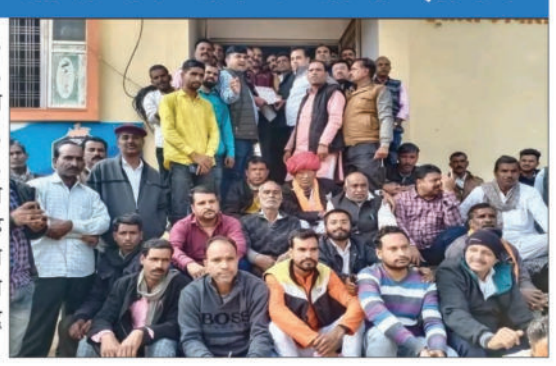

स्काडा सिस्टम शुरु : बस एक बटन दबाने से खुल जाएंगे गांधीसागर डेम के गेट

माही की गूंज, गरोठ।

गांधीसागर बांध में सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एग्वीजिशन सिस्टम (स्काडा सिस्टम) शुरू हो गया है, अब एक बटन से गेट खुलने लगे हैं।

गांधीसागर के कार्यपालन यंत्री एचके मालवीय ने बताया कि बांध के गेट खोलने के लिए कर्मचारियों को नहीं जाना पड़ेगा, न ही गेट खोलने के लिए एक घंटे इंतजार करना पड़ेगा, बस एक बटन दबाएंगे और गांधीसागर बांध के गेट खुल जाएंगे। चंबल नदी क्षेत्र में मंदसौर जिले का गांधीसागर पहला ऐसा बांध है, जो स्काडा सिस्टम से जुड़ चुका है।

चम्बल नदी जिसका जल गांधीसागर से राजस्थान के रावतभाटा स्थित जवाहर सागर, राणा प्रताप सागर बांध में भी जाता है, यहाँ भी स्काडा सिस्टम लग चुका है। लेकिन अभी उपयोग शुरू नहीं हुआ है। गांधीसागर बांध में 19 गेट है, आधुनिक कंट्रोल रूम बनाया गया है। लेकिन अभी बारिश आवक जावक सभी ऑनलाइन दर्ज करने का स्काडा सिस्टम लगाया जाना बाकी है।

कैसे काम करता है स्काडा

नियंत्रण कक्ष के कंप्यूटर के बोर्ड से बटन दबाया जाता है, तो बांध के गेट खुल जाते हैं। इसके साथ ही बांध में कितना पानी आ रहा है और गेटों से कितना पानी निकल चुका है। इसकी पल-पल की फोटो और मात्रा कंप्यूटर में दर्ज होती है। बांध की स्थिति को देखने के लिए नियंत्रण कक्ष में 80 इंच का एलईडी टीवी लगाया गया है। अभी तक बांध के गेट खोलने या बंद करने का काम इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल तरीके से मैनुअल होता ह। लेकिन स्काडा सिस्टम लगने के बाद गेट ऑटोमेशन के दायरे में आ गए हैं।

लालची सरपंच प्रतिनिधि अमृत सरोवर तालाब के नाम पर खनिज विभाग की भूमि में कर रहा अवैध उत्खनन

माही की गूंज, शुजालपुर।

आजकल ग्राम पंचायतो में नये नवेले सरपंच प्रतिनिधियों ने पदभार संभालने के बाद अपनी-अपनी पत्नियों को तो घर पर बैठा दिया है और विकास के नाम पर सारे नियम कायदों को ताक पर रखकर खनिज विभाग की सहकारी भूमि पर अवैध उत्खनन किये जा रहा है। अब ऐसा ही एक नया मामला कालापीपल जनपद की निपानिया खुर्द पंचायत से सामने आया है। जिसमे सरपंच प्रतिनिधि देवीसिंह मालवीय ने अमृत सरोवर तालाब के नाम पर मशीनो द्वारा खनिज विभाग की सहकारी संपत्ति को बिना अनुमति व सारे नियम कायदों को ताक पर रखकर खोदे जा रहा है और जब इसके विरोध में गाव के पंचों ने मोर्चा खोला तो ग्राम पंचायत के पंचो को सरपंच प्रतिनिधि देवीसिंह मालवीय अपनी नवनियुक्त सरपंच पत्नी सुगनबाई के नाम से झुटे केस में फसाने की धमकी दे डाली। जिसका वीडियो आजकल क्षेत्र में बहुत तेजी के साथ वायरल हो रहा है। जिसमे सरपंच अपने प्रभुत्व का गलत ईस्तेमाल करके ग्राम पंचायत के पंचो तक को डराने धमकाने का प्रयाश करता देखा जा सकता है। अब आगे देखना यह दिलचस्प होगा कि कार्यवाही की गाज सरपंच प्रतिनिधि पीकर गिरती है या फिर पंचो को झूठे प्रकरणों में फसाया जाता है।

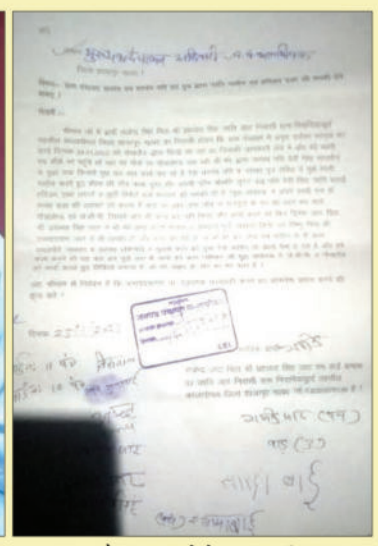

अवैध उत्खनन करने वाले आखिर कब तक जाएंगे जेल

वैसे तो जिले भर में खनिज विभाग की नाक के नीचे रेत माफिया से लेकर बालू माफिया तक ने आतंक मचा रखा है, लेकिन जिले में खनिज विभाग की सर्वे सर्वा बनकर बैठी कामिनी गोतम ने जैसे कार्यवाही के नाम पर अपने मुंह पर पट्टी बांध रखी है। अब पत्रकारों द्वारा खबर प्रकाशन के माध्यम से जिले भर में अपना मकड़जाल बना कर बैठे इन माफियाओ पर कार्यवाही की जाती है या इन अधिकारियों के सानिध्य तले यू ही अवैध कारोबार संचालित होता रहता है।

मामले में खनिज अधिकारी शाजापुर कामिनी गौतम का कहना है कि, मैं आज पेशी पर अलीराजपुर आई हूं ओर मामले को वही आकर दिखवाती हु।

योजनाओं के क्रियावन्यन में शासन ने अपनाया इस जिले का मॉडल

पहले सीएम जनसेवा अभियान और अब विकास यात्रा का मॉडल प्रदेश में होगा क्रियान्वित

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन और बड़वानी जिलों में फासला भौगोलिक दृष्टि से सिर्फ एक राजमार्ग का है। जो दोनों जिलों की सरहद बनाता है। इस रोड़ की दूसरी ओर पश्चिम में बड़वानी जिला है। जिसकी भागडोर आज से पहले कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के पास हुआ करती थी। जिन्होंने बड़वानी जिले में जनता को चाहे योजनाओं का लाभ पहुँचाने की बात हो या शिक्षा क्षेत्र में आगे लाने की या स्वास्थ्य की दिशा में नवाचार करने की उन्होंने हमेशा आम नागरिकों के कल्याण के लिए कदम बढ़ाएं है। इतना ही नहीं बड़वानी पूर्व कलेक्टर वर्मा जनसुनवाई में जब किसी जरूरतमंद को अपने सामने पाते तो उसकी समस्या या सहयोग के लिए प्राथमिकता से कार्य करते रहे हैं। बड़वानी जिले में लगभग ढाई साल के कार्यकाल में पहुँच अभियान के तहत घर-घर जाकर विभिन्न योजनाओं के पात्र नागरिकों को ढूंढकर योजना से जोड़ा। योजनाओं के क्रियान्वयन के इस मॉडल को बाद में मप्र शासन पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का नाम देकर लागू किया। इसके बाद जिले में ही सत्यापन अभियान प्रारम्भ किया। इस नवाचार में योजनाओं के क्रियान्वयन को तस्दीक कर लाभ पहुँचाने की शुरुआत हुई। जिसे पूरे प्रदेश में 5 फरवरी से विकास यात्रा के रूप में लागू किया जाएगा। ये तो सिर्फ एक बानगी है उनके विकास कार्यों के प्रति। उन्होंने बड़वानी में कई ऐसे कार्यों को धरातल पर उतारा है जिससे नागरिकों में विकास अंकुरित हुआ है। अब ऐसे प्रशासनिक

अधिकारी खरगोन जिले के कलेक्टर के रूप में आज गुरुवार को पदभार ग्रहण करेंगे।

इन कार्यों को भी दिलचस्पी के साथ अंजाम तक पहुँचाया

करीब 750 दिनों के अपने कार्यकाल में कलेक्टर वर्मा ने बड़वानी में गरीब और निर्धन वर्ग को लाभ पहुँचाने की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। उन्होंने आशा ग्राम परिसर में रहने वाले 66 कुष्ठ रोगियों के परिजनों को पीएम आवास से पक्के घर का सपना पूरा कर दिखाया। इसके अलावा बड़वानी शहर से लगे हगरिया फल्या में भी 30 नागरिकों के लिए बेशकीमती आवास का लाभ दिया। जिसे आगे रूपनगर का नाम देकर नया स्वरूप दिया। ऐसे और भी अनेकों कार्य हैं जिससे कई नागरिक लाभ पाकर खुशहाली की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। इसमें बंद पड़े आशा ग्राम के चिकित्सालय को अध्यक्ष होने के नाते पुनः जान फूंकी। जिसे अंजान वायरस कोरोना के समय कोविड-19 का सेंटर बनाकर उपचार किया गया। जो आज पुनः प्राण पाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में नया आयाम स्थापित कर रहा है।

पदभार ग्रहण करने के पूर्व शहर युवाओं के साथ पर्यावरण की योजना बनाई

18 जुलाई 2020 में कलेक्टर वर्मा पदभार ग्रहण करने से पहले ही जब वे शहर में सुबह की सैर के लिए निकले तो पहाड़ी पर कुछ युवा पौधारोपण करते दिखाई दिए। तब उन्होंने न सिर्फ वहां पहला पौधा रोपा बल्कि युवाओं के साथ नगर में पर्यावरण की दिशा में कई मसलों पर चर्चा की। इसके बाद एक ही दिन में एक अन्य पहाड़ी पर 25 हजार पौधे रोप कर रिकॉर्ड तो बना ही लेकिन उससे कही ज्यादा खुशी शहर वासियों को इस बात से हुई कि उन्हें शहर में ही पिकनिक स्थल जैसे अनुपम बाग मिला। जिसे आज शिवकुंज के नाम से रमणीय स्थल के तौर पर जाना जाता है।

दाऊदी बौहरा जमात की ओर से प्लास्टिक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

माही की गूंज, आम्बुआ।

दाऊदी बौहरा जमात ने प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी रात्रि कालीन प्लास्टिक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रखा है। प्रतियोगिता में बोहरा समाज के युवाओं की टीमें ही इसमें भाग ले रही है। जिसमें विजेता टीमों आदि को नगद पुरस्कार तथा शील्ड प्रदान की जाना है।

गूंज संवाददाता को दाऊदी बौहरा जमात की ओर से हुसेन नजमी ने बताया कि, दाऊदी बोहरा जमात के 52 वे धर्मगुरु सैयदना बुरहानुद्दीन मौला तथा 53 में धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के जन्म दिवस के उपलक्ष में सैफिया ग्राउंड पर रात्रिकालीन क्रिकेट स्पर्धा का शुभारंभ जमात के जनाब साहेब मुर्तुजा हातिम राजा तथा ग्राम सरपंच रमेश रावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष जुवानसिंह रावत, तथा थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल, ए.एस.आई मनीष कुमार के कर कमलों से किया गया। इस टूर्नामेंट में आम्बुआ के अतिरिक्त दाहोद, कुक्षी, महेश्वर, अलीराजपुर, आजाद नगर, जोबट, बड़वानी, छोटा उदयपुर, बड़ौदा आदि स्थानों से समाज के क्रिकेट खिलाड़ी अपनी टीम के साथ खेलने आने वाले हैं। इस स्पर्धा में जितने वाली टीम के प्रथम पुरस्कार 27 हजार, द्वितीय पुरस्कार 14 हजार के अतिरिक्त मैन ऑफ द मैच मैन, ऑफ द सीरीज, श्रेष्ठ बॉलर, श्रेष्ठ बल्लेबाज के साथ ही शील्ड प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के शुभारंभ में बुरहानी क्रिकेट आम्बुआ के संस्थापक मरहूम काईद जौहर को याद किया गया जो कि आज भले ही हमारे बीच नहीं है मगर उनके द्वारा प्रारंभ किया गया क्रिकेट क्लब आज भी कायम है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश भरत सिंह रावत, युवा कांग्रेसी महेंद्र सिंह रावत, अमान पठान, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, साजिद शेख, असलम मकरानी आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिनका हार्दिक स्वागत बुरहानी क्रिकेट क्लब आम्बुआ द्वारा किया गया। प्रतिस्पर्धा सात दिवसीय रखी गई है आम्बुआ में आयोजन का आठवां वर्ष है।

मरम्मत करा के घर लाकर खड़ी की जीप कुछ घंटे बाद ही अज्ञात चोर ले उड़े, कस्बे में दहशत

वाहन मालिक तथा पुलिस विभाग खोजबीन में जुटे

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंदी पर है। घर हो या बाहर कहीं भी कभी भी ये चोर अपने हाथ की सफाई दिखाने से नहीं चूक रहे हैं। इधर पुलिस महकमे का ÷मुखबिर तंत्र÷ सुस्त होने से वारदात का खुलासा नहीं हो पा रहा है। मोटरसाइकिल के बाद अनाज, किराना सामान, मोबाइल तथा नकदी के बाद अब चार पहिया वाहन की चोरी की घटनाएं भी होने लगी है। जिसमें से अधिकांश का पता आज तक नहीं चल पाने से नागरिकों में भय तथा रोष व्याप्त होना स्वाभाविक है जो कि कभी भी प्रशासन के खिलाफ मुखर हो सकता है।

आम्बुआ कस्बे के बस स्टैंड के समीप की ताजा घटना के अनुसार योगेंद्र पिता आत्माराम भूरिया निवासी मुर्गी बाजार क्षेत्र अपनी तूफान जीप क्रमांक एमपी 11 बीई 0965 को दाहोद गुजरात से मरम्मत कराकर 26 जनवरी 2023 की रात लगभग 11 बजे लाकर घर के बाहर जहां मैदान में कई चार पहिया वाहन खड़े थे खड़ी कर घर के अंदर चले गए। कुछ समय बाद ही इस वाहन को अज्ञात चोर रात्रि लगभग 12 बजे बाद किसी औजार अथवा डुप्लीकेट चाबी के माध्यम से चालू कर ले भागा। वाहन खड़े करने तथा चोरी होने का समय एवं अज्ञात चोर की हरकत वहां के निवासी तथा टेंट व्यवसाई के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड होना बताया जा रहा है। घटना की सूचना 27 जनवरी को आम्बुआ थाने पर अप.क्र 0022/ 2023 धारा 379 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जा कर वाहन चोरों की तलाश की जा रही है। वाहन मालिक भी अपने स्तर पर खोजबीन में जुटा है।

स्मरण रहे कि, थाने पर पुलिस बल की कमी के कारण गस्त आदि में परेशानी भी एक कारण है। बल की मांग भी कई बार विभिन्न माध्यमों से की जाती है। आम्बुआ में विगत महीनों में कुछ प्रमुख चोरियां जिनमें खुजामा ताहेर अली के किराना दुकान (बोहरा मस्जिद के सामने), हासीम अली बोहरा (बस स्टैंड क्षेत्र) की दुकान से केश पेटी (गल्ला), दाऊदी बोहरा मस्जिद से बर्तन, अम्मार काईद जोहर की दुकान से नगदी तथा पत्रकार साजिद शेख की पान दुकान से सामान, स्वास्थ्य कर्मी सेमलिया की मोटरसाइकिल, शुभम क्षीरसागर की मोटरसाइकिल, गुलाब खां की लुहारी दुकान से औजार आदि उसके पूर्व वसीम मंसूरी के फिल्टर प्लांट की दो सबमसीबल मोटरे, मुफद्दल हुसैन बोहरा की मूंगफली (इन दोनों के चोर पकड़ाए आपसी समझौते से छोड़े गए) और कई अन्य छोटी-मोटी जिनमें से अधिकतर की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है का पता नहीं लग सका है। बार-बार हो रही चोरियों से नागरिकों में भय तथा रोष व्याप्त है सीसीटीवी कैमरे में कैद अपराधियों का पता नहीं लगाना भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

गरीब किसानों का जीवन स्तर ऊंचा करने का प्रयास कर रहा कृषि विभाग

माही की गूंज, खरगोन।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा अंतर्गत जिले के गरीब आदिवासी किसानों की आय बढ़ाकर उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के प्रयास किए जा रहे हैं। झिरन्या विकासखंड के दूरस्थ वनवासी क्षेत्रों में किसानों को प्रेरित प्रोत्साहित कर कहीं स्ट्रॉबेरी, तो कहीं ड्रैगन फ्रूट, अमरुद, संतरे की खेती तो कहीं अंतरवर्तीय खेती सिखाई एवं करवाई जा रही है। कृषि उपसंचालक एमएल चौहान झिरन्या विकासखंड का भ्रमण के दौरान ग्राम मुरम्या एवं आंवल्यामाल में आत्मा योजना के नवाचार घटक अंतर्गत किसानों द्वारा रोपित अमरूद एवं ड्रैगन फ्रूट के अंतरवर्तीय फलोद्यान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा भी की। साथ ही फसल उत्पादन को बढ़ाने के लिए उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया।

वहीं चर्चा के दौरान उन्नत किसान नहादी काशीराम ने बताया कि, उन्होंने सवा एकड़ खेत में पिंक थाई किस्म का अमरूद लगाया है जो अब डेढ़ वर्ष की फसल हो चुकी है। किसान ने बताया कि, इस सीजन में अब तक 80 क्विंटल

अमरूद व्यापारियों द्वारा खेत से ही 20 प्रति किलो के भाव में खरीदी की गई है। इस प्रकार सवा एकड़ में अब तक 1 लाख 50 हजार रूपये से अधिक की फसल ली जा चुकी है। वहीं किसान ने करीब 20-25 हजार की फसल और निकलने का अनुमान लगाया है।

साथ ही उपस्थित अन्य किसानों को भी फार्म फील्ड स्कूल योजना अंतर्गत चना फसल की प्राकृतिक कृषि कार्य माला भी सिखाई गई। कार्यक्रम के दौरान आसपास के किसानों सहित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बसंत मांडरे, बीटीएम अनिल नामदेव, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी डॉ. संतोष पाटीदार, सहायक तकनीकी प्रबंधक राजेश रांडवा सहित अन्य मौजूद रहे।

ज्योति बा फूले एवं सावित्री बाई फूले के जीवन पर नाटक की दी प्रस्तुति

माही की गूंज, बड़वानी।

सावित्री! भभूति से नहीं चिकित्सा से शिशु स्वस्थ होगा! अंधविश्वास ने इस बच्चे के प्राण ले लिए हैं। आज से तुम भी पढ़ो! शिक्षा का प्रकाश सभी को राह दिखाता है। यह लो किताब, यह बदलेगी जिन्दगी। हाँ, मैं अवश्य पढ़ूंगी। मुझे अनपढ़ नहीं रहना है. इस तरह के सम्वाद आज शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के प्रांगण में गूंजे। अवसर था स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तित्व विकास के विद्यार्थियों द्वारा प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रस्तुत किये गए नाटक का।

कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया ने बताया कि, नाटक का शीर्षक था- सावित्री बाई फूले-स्त्री शिक्षा की शिल्पी। इन्होंने निभाई भूमिका इस नाटक में रानू दौणे ने सावित्री बाई, पायल फूलमाली ने ज्योति बा फूले, दीपिका मंडलोई ने आई, श्रीकांता भटोद्रा ने सूत्रधार एवं वैशाली मावी, पूनम कुशवाह, कविता भिड़े तथा अर्चना पिपलाज ने पड़ोसियों की भूमिका का निर्वाह किया। सभी का अभिनय बहुत अच्छा रहा, लेकिन रानू दौणे और पायल फूलमाली के अभिनय की विशेष प्रशंसा हुई। नाटक को देखने के लिए डेढ़ सौ से अधिक विद्यार्थियों के साथ ही महेंद्र कुलकर्णी, भूपेन्द्र जाट, रोहित पटेल, अशरफ मंसूरी, लक्की भाटिया, यश करोले, डॉ. सुमित्रा बेनल आदि उपस्थित थे. उद्यमी श्री महेंद्र कुलकर्णी ने कहा कि नाट्य प्रस्तुति बहुत अच्छी लगी। संचालन स्वाति यादव ने किया। आभार कन्हैया फूलमाली ने प्रस्तुत किया। सहयोग सुभाष चैहान, तुषार गोले, कन्हैयालाल फूलमाली, हिमांशी वर्मा, डॉ. मधुसूदन चैबे ने किया।

बालक-बालिकाओं ने किया कैनो स्प्रिंट का डेमो प्रदर्शन

माही की गूंज, खरगोन।

खेलों इंडिया-2022 की तैयारियों के मद्देनजर मंगलवार को कैनो की एक विधा कैनो स्प्रिंट का खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को किले की सीढ़ियों पर बैठकर मस्कट आशा और स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहवर्धन किया। जिला खेल अधिकारी श्रीमती पवि दुबे ने बताया कि, खेलों इंडिया के प्रमोशन के लिए यह गतिविधि की गई ताकि नगर के नागरिक वॉटर स्पोर्ट्स की इस गतिविधि को जान सकें। इस प्रदर्शन में 100 मीटर की रेस में 30 बालक और बालिकाओं ने नागरिकों के सामने प्रस्तुत किया। इस दौरान एसडीएम श्री अग्रिम कुमार और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

34वीं बटालियन में चार दिवसीय खेल स्पर्धाओं के साथ हुआ समापन

माही की गूंज, धार।

जिला मुख्यालय स्थित विशेष सशस्त्र बल की 34वीं बटालियन में चार दिवसीय मिलन समारोह के दौरान विभिन्न दिलचस्प खेल स्पर्धाओं, देशी खेलों में जवानों के बीच हुई प्रतियोगिताओं तथा बटालियन के सिपाहियों के बालक-बालिकाओं के लिए मनोरंजक स्पर्धाओं के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह एवं धार जिला प्रशासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारियों के आतिथ्य में पुरस्कार वितरण के साथ यह रंगारंग कार्यक्रम का समापन हुआ।

बटालियन पर 28 से 31 जनवरी तक इन विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन अत्यंत अनुशासन और उत्साह के वातावरण में किया गया। 34वीं वाहिनी के सैनानी श्री रोहित काशवानी के मार्गदर्शन में इस दौरान 29 जनवरी को संगीत संध्या एवं मेले में मशहूर संगीतकार गुरुमीतसिंह डंग ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध बनाए रखा। इस मौके पर कमांडेंट काशवानी के अलावा उपसैनानी श्रीमती रचना भदौरिया, सहायक सैनानी, सौरभ तोमर के साथ ही जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। 30 जनवरी को रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिला चिकित्सालय धार के डॉ. आशीष मिश्रा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गुप्ता, मेडिकल ऑफिसर डॉ. विजय मकवाना, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गरिमा वैष्णव सहित नर्सिंग स्टाफ ने अपनी सेवाएं देकर 279 अधिकारी-कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस शिविर में 41 अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वैच्छा से रक्तदान भी किया।

समारोह का समापन 31 जनवरी को शाबाश इंडिया के कलाकारों के हैरत अंगेज कारनामों के प्रदर्शन के साथ हुआ। नाशिक से आए कलाकार अब्बास और उनकी टीम के कलाकारों ने इस मौके पर उल्टी कूद, बालों से जीप वाहन को खींचने, बांस की डंडियों के सहारे चलने, दोनों हाथों को रस्सी से बांधकर मोटर साइकलों को आगे नहीं बढ़ने देने जैसे अनेक हैरत अंगेज करतब दिखाकर बटालियन के जवानों और उनके परिजनों का खूब मनोरंजन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार, धार के एडीएम श्रृंगार श्रीवास्तव, धार की एसडीएम दीपाश्री गुप्ता, काशवानी, बटालियन की उपसैनानी श्रीमती रचना भदौरिया, सहायक सैनानी सौरभ तोमर की गरिमामय उपस्थिति में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जवानों एवं उनके परिजनों को पुरस्कृत किया गया। अंत में बटालियन के कमांडेंट रोहित काशवानी ने सबके प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि बटालियन में इस तरह के कल्याणकारी कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां समय-समय पर आयोजित की जाती रहेंगी।

सेवानिवृत्त होने पर पत्रकार संघ ने किया सम्मान

माही की गूंज, सारंगी।

करीब डेढ वर्षों से सारंगी पुलिस चौकी पर पदस्थ एएसआई आनंदीलाल चौहान ने अपनी सेवाएं दी। चौहान ने अपने मधुर संबंधों से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में एक विशेष पहचान बनाई थी। सेवाभावी, मिलनसार के धनी चौहान साहब के सेवानिवृत्त होने पर बुधवार को पत्रकार संघ ईकाई सारंगी द्वारा सारंगी चौकी पर पदस्थ आनंदीलाल चोहान के सेवानिवृत्त होने पर शुभकामनाएं प्रेषित की एवं साल, साफा बांध कर स्वागत किया।

बाइकर्स से परेशान नागरिकों ने थाना प्रभारी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की

थाने पर होने वाली बैठकों में कई बार उठा मुद्दा

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में तथा बाहरी क्षेत्र में विगत महीनों से अवयस्क बाइकर्स का हुड़दंग जारी है। बाइक पर 2 सवारियों के बैठने के नियम को धत्ता बताते हुए चार-पांच तक सवारियां बैठा कर तेज गति से दोड़ाने से जन जीवन को बढ़ते खतरे को देखते हुए तथा पूर्व में मीटिंग में मांग रखी जाने तथा समाचारपत्रों में समाचार प्रकाशन के बावजूद कार्यवाही नहीं होने से परेशान नागरिकों ने लिखित शिकायत थाना प्रभारी को देकर उचित कार्यवाही की मांग की गई है। एक हफ्ते बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने से बाइकर्स के हौसले बुलंद है।

गूंज संवाददाता को मिली जानकारी के अनुसार साप्ताहिक हाट बाजार तथा अन्य दिनों में प्रतिदिन कस्बे के अंदर तथा बाहरी क्षेत्र में मोटरसाइकिल चालक जिनमें से अधिकांश अवयस्क तथा बगैर लाइसेंसी है। वाहन पर क्षमता से अधिक नियम विरूद्ध सवारियां बैठाकर आंधी तूफान की गति से वाहन दौड़ाते हैं। कई चालक मोटरसाइकिल के साइलेंसर निकाल कर तेज आवाज तथा तेज रफ्तार के साथ वाहन आंधी तूफान की गति से चलाकर स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की जान के दुश्मन बने हुए हैं। जब यह चालक वाहन दोड़ाते हैं तो कई बार पुलिस कर्मी इस सड़क पर मौजूद रहते हैं मगर ध्यान नहीं दिया जाता। आम्बुआ पुलिस थाने पर आयोजित होने वाली शांति समिति तथा सुरक्षा समिति की बैठकों में विगत वर्षों में कई बार समिति के सदस्य तथा जनप्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया, मगर आज तक कोई भी कार्यवाही नहीं होने से बाइकर्स के हौसले बुलंदी पर है।

सूत्र बताते हैं कि, कार्यवाही इसलिए नहीं होती है क्योंकि कार्यवाही पर राजनीति दबाव आना प्रारंभ हो जाते हैं। इधर परेशान नागरिकों ने आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर वरिष्ठ अधिकारियों तथा गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री सहायता सर्विस 181 पर शिकायत करने की बात कही जा रही है।

खेलो इंडिया थीम पर स्कूली बच्चों ने किया नुक्कड़ नाटक

माही की गूंज, खरगोन।

खेलो इंडिया युथ गेम 2020 के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से महेश्वर के भवानी माता मंदिर चौक में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की खेल अधिकारी श्रीमती पवी दुबे ने बताया कि, 6 एवं 7 फरवरी को महेश्वर में कैनो सलालम का आयोजन होना है। जिसमें 8 राज्यों के खिलाड़ी प्रतिभागिता करेंगे। उसी उद्देश्य से प्रचार प्रसार के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यहां कंवर तारा स्कूल मंडलेश्वर के बच्चों द्वारा खेलो इंडिया थीम पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला मलखंभ कोच श्री सत्यवीर पुरोहित, युवा समन्वयक अनिता हिरवे, अखिलेश शुक्ला, आशीष गुप्ता सहित दुर्गेश ठाकुर, राहुल राजपूत सहित बढ़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

क्या पीएम आवास भ्रष्टाचारियों पर होगी एफआईआर दर्ज

एसडीएम, सीएमओ द्वारा दी गई थी भवन निर्माण अनुमति फिर भी नपा जांच प्रतिवेदन में गोलमाल

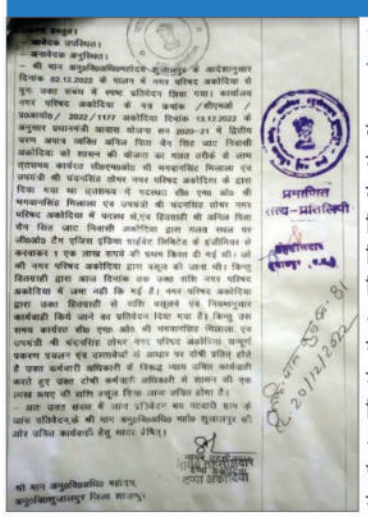

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

नगर परिषद अभिभावक से कार्रवाई का अभिमत आज तक नहीं आया। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा के रिटायरमेंट के बाद शायद आएगा। अकोदिया नगर परिषद जिला शाजापुर के पूर्व सीएमओ भगवान सिंह भिलाला एवं आवास प्रभारी चंदन सिंह तोमर द्वारा पूर्व से निर्मित भवन पर आवास का लाभ देकर प्रधानमंत्री आवास योजना का भरपूर मजाक बनाया। शिकायत उपरांत आवास भ्रष्टाचार की पोल खुली। शिकायत उपरांत नायब तहसीलदार टप्पा अकोदिया में प्रकरण दर्ज हुआ। अकोदिया प्रकरण काफी लंबे समय तक चला अंत समय में भगवान सिंह भिलाला एवं चंदन

सिंह तोमर दोषी प्रतीत हुए। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा द्वारा शासन की मदद में स्पष्ट रूप से प्रतिवेदन नहीं भेजा गया। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा तलेन में भी विवाह सहायता राशि घोटाला कर अब जल्दी अकोदिया में अपना विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न करने वाले है। इनके द्वारा भी शासन की मदद में आवास भ्रष्टाचारियों को पूर्ण रूप से बचाने में सहयोग प्रदान किया। नायब तहसीलदार टप्पा अकोदिया द्वारा राजस्व टीम से जांच प्रतिवेदन मंगवाने के बाद प्रतिवेदन लिखा गया।

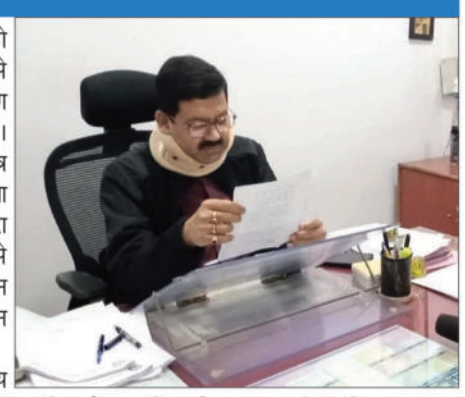

अब प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शुजालपुर के कार्यालय में कार्यवाही हेतु लंबित है। क्या शुजालपुर अनुविभागीय अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना गंभीर भ्रष्टाचार मैं दोषी प्रतीत हुए अधिकारी भगवान सिंह भिलाला एवं आवास प्रभारी चंदन सिंह तोमर पर कार्रवाई करेंगे या फिर लंबे समय तक प्रकरण कार्रवाई के लिए विचाराधीन रहेगा।

पति ने की पत्नी की हत्या, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, जोबट।

जिले के जोबट के ग्राम उमरी में एक पति ने अपनी ही पत्नी की हत्या कर दी। दरअसल मामला यह है कि, दिनांक 30 जनवरी 2023 को आरोपी राजू ने उसकी लड़की गुलबाई चार दिन पहले गुजरात मोरवी से भाग गई थी। जिसको ढूंढने के लिए राजू की पत्नी समबाई बिना बताए गुना चली गई थी। आरोपी राजु गुना से समबाई को घर लेकर आया राजू ओर समबाई घर से चले जाने की बात को लेकर झगड़ा करते करते राजू ने उसकी पत्नी समबाई को डंडे से मारपीट की, जिसके कारण समबाई की मृत्यु ही गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची और आरोपी पर धारा 302 भादवी का कायम कर आरोपी राजू पिता दुडला (36) निवासी उमरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी विजय देवड़ा, उपनिरीक्षक इंद्रेयास काटरा, उपनिरीक्षक अंकिता जाट, सहायक दीपक मालवीय, आरक्षक मनीष, आरक्षक चेनसिंह का सराहनीय सहयोग रहा।

कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष पटेल के नेतृत्व में 'हाथ से हाथ जोड़ों' अभियान अग्रसर

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

जोबट विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) के ग्राम देवली अमन कुवा फलिया, मे हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का कार्यक्रम हुआ। जिसमे उपस्थित कार्यवाहक जिलाध्यक्ष ओम राठौड़, लईक भाई, हरिस भाभर, अभयसिंह, दालसिंह, जुवानसिंह, दिनेश, मनिष, दिलीप, केवन, रमण, प्रलब, रमेश डामोर, नवलसिंह पटेल,शंकर, रणसिंह, सोनू वर्मा, इरफ़ान मंसूरी, आदि कांग्रेस कार्यक्रम और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल ने बताया कि, सरकार की नीतियों की वजह से बढ़ी महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ कर रख दी है और सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से अपील की कि, हाथ से हाथ जोड़ अभियान के तहत हमको अपने घर-घर जाकर लोगों से कमलनाथ सरकार के किए गए जन हितेषी कार्यों को जनता को याद दिलाना है।

इमरजेंसी वार्ड में दवा का ओवरडोज इंजेक्शन लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। राजधानी में नर्सिंग के एक छात्र ने प्राइवेट अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दवा की ओवरडोज इनजेक्ट कर अपनी जान ले ली। बीसीएसी नर्सिंग के इस छात्र ने सूई के जरिए खुद को दवा की ओवरडोज लगा ली। बताया जा रहा है कि छात्र अस्पताल में नर्स के तौर पर काम कर रहा था। प्रथम दृष्टया यह लव अफेयर के चक्कर में सुसाइड का मामला लग रहा है। इस मामले की जांच कर रहे ऐएसआइ नंद राम ने कहा, मृतक का नाम सोनू यादव है। 22 साल का सोनू यादव बेरसिया के बरारी गांव का रहने वाला है। वो फिलहाल निशातपुरा के करनोड में किराये के एक फ्लैट में रह रहा था। रविवार की रात सोनू ने परवालिया में स्थित एक निजी अस्पताल में खुद की जान ली है। पुलिस अनुसार, सोनू मुबारकपुर में स्थित एक निजी अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करता था। वो यहां नाइट शिफ्ट में काम कर रहा था। रविवार की रात करीब 10 बजे उसने ऑनलाइन खाना मंगवाया और अपने तीन सहयोगियों के साथ खाना भी खाया। उसके साथी भी नर्सिंग के छात्र थे।

खाना खाने के बाद रात करीब 11 बजकर 30 मिनट पर वो इमरजेंसी वार्ड के अंदर गया और उसने खुद को दवा की ओवरडोज लगा ली। जब सोनू खुद को इंजेक्शन लगा रहा था तब बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र अभिषेक वर्मा अचानक इमरजेंसी वार्ड में पहुंच गया। उसने सोनू को इंजेक्शन लगाते देखा और फिर अन्य लोगों के साथ मिलकर उसने उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का सर्वे करने खेतों में पहुंचा दल

माही की गूंज, मंदसौर।

मौसम में अचानक आए बदलाव, बेमौसम बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों एवं फसलों में नुकसानी की सूचनाओं को लेकर मंदसौर जिला प्रशासन ने तेजी दिखाई गई है। मंदसौर में ही मौजूद प्रभारी मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने सर्किट हाउस पर बैठक कर स्थितियों पर चर्चा की है। इस संबंध में विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने बताया कि बारिश से फसलों को जिले भर में हुए नुकसान की सूचनाओं पर तत्काल बैठक हुई। प्रभारी मंत्री दत्तीगांव ने कलेक्टर गौतमसिंह से जिले की स्थिति की जानकारी ली। बैठक में उनके साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में जिले की स्थिति को देखते हुए प्रभारी मंत्री दत्तीगांव को कलेक्टर सिंह ने अवगत करवाया कि सर्वे दल गठित कर दिए गए हैं। एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों को मैदान में भेजा गया है, जहां जहां नुकसानी की सूचनाएं हैं, वहां सर्वे हेतु टीम भेजी जा रही है। वीडियो कांफ्रेंसिंग से सर्वे की मानिटरिंग भी की जाएगी। विधायक सिसौदिया ने बताया कि बैठक में पूरे जिले को लेकर चर्चा हुई और जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों की स्थितियों पर जानकारी ली गई।

फसल नुकसानी का कर रहे सर्वे

सीतामऊ क्षेत्र में बारिश और ओलावृष्टि के चलते किसानों की फसलों को नुकसानी के आंकलन का काम राजस्व विभाग ने शुरू कर दिया है। सीतामऊ राजस्व विभाग के सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ क्षेत्रो में जाकर सर्वे कर रहे हैं। राजस्व विभाग की टीम बारिश से प्रभावित खेतों पर जाकर फसलों की नुकसानी का आंकलन कर रिपोर्ट तैयार कर रही है। प्रशासन के प्रयास है कि जल्द से जल्द किसानों की नुकसानी का आंकलन कर सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर दिया जाए। सीतामऊ एसडीएम राजेश शाह, तहसीलदार पटेल प्रभावित किसानों के बीच जाकर फसलों का जायजा ले रहे हैं।

दूसरे की आईडी चुराकर की 36 वर्ष तक सरकारी नौकरी

अनूपपुर।

मध्य प्रदेश में एक शख्स ने अपनी पहचान छिपा कर नौकरी हासिल की और वेतन उठाता रहा। आदिवासी बहुल अनूपपुर जिले के रहने वाले इस युवक पर आरोप है कि उसने दूसरे युवक के नाम और पहचान पर सरकारी नौकरी हासिल कर ली। आरोपी नरसिंह देवांगन ने अपने एक परिचिति ददई राम के पहचान पत्र का इस्तेमाल किया और साल 1984 में सरकारी नौकरी हासिल कर ली। साल 2020 में उसकी मौत हो गई और तब तक वो विभाग की आंखों में धूल झोंक कर नौकरी करता रहा। यह मामला उस वक्त उजागर हुआ जब देवांगन की मौत के बाद मृतक के परिवार को मिलने वाले सरकारी लाभों को लेकर झगड़ा शुरू हुआ और देवांगन के बेटे ने एक शिकायत दर्ज करवाई।

नरसिंह देवांगन की पत्नी अहिल्याबाई देवांगन ने अपने पति की मौत के बाद फैमिली पेंशन के लिए अप्लाई किया। उन्होंने एक बैंक अकाउंट खुलवाया और दावा किया कि वो ददई राम की पत्नी हैं। 75 साल के ददई राम अभी गरीबी की हालत में जी रहे हैं और फिलहाल पड़ोसी जिले छत्तीसगढ़ के कल्याणपुर गांव में रहते हैं। इस मामले में पुलिस ने नरसिंह देवांगन की पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

ददई राम के बेटे ने कही यह बात

एफआईआर में कहा गया है कि, नरसिंह देवांगन ने ददई राम की पहचान चुरा ली और फिर साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड में नौकरी हासिल कर ली। वो अपनी अंतिम सांस तक यहां नौकरी करता रहा। उसकी मौत के बाद उसकी पत्नी अहिल्लाबाई ने ददई राम की पत्नी बनकर बैंक अकाउंट खुलवाया और फैमिली पेंशन तथा अन्य लाभ हासिल किये।

ददई राम के बेटा हरखू साहू छत्तीसगढ़ में मजदूरी करता है। उसने मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैं मुश्किल से 5000-6000 रुपये महीने में कमा पाता हूं। मेरे पिता अब 75 साल के हो गए हैं। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बीता दी लेकिन उन्हें नहीं पता चला सका कि नरसिंह देवांगन ने उनकी पहचान चुरा कर अपनी मौत तक नौकरी की है। हमें इस बात की जानकारी तब मिली जब नरसिंह के बेटे खिलावन देवांगन 23 जनवरी को हमारे गांव में आए। उन्होंने हमारे पिता के बारे में जानकारी ली और हमें विस्तार से सभी बातें बताई। जानकारी मिलने के बाद हमने मंगलवार को अनूनपुर के बिजूरी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया।'

कभी ददई राम का पड़ोसी था नरसिंह

हरखू ने बताया कि उसके पिता ने उसने बताया है कि, नरसिंह कभी उनका पड़ोसी था। वो दोनों मजदूर थे। उनके पास रोजगार कार्ड था और जब उनका काम खत्म हो गया तब उन्होंने यह कार्ड नरसिंह को रिन्यू कराने के लिए दिया था। बाद में वो छत्तीसगढ़ में आ गए। छत्तीसगढ़ आने के बाद उन्होंने इस कार्ड के बारे में कभी कोई पूछताछ नहीं की।

ऐसे खुला भेद

नरसिंह देवांगन के बेटे और बहू का दावा है कि, उनको भी इस धोखाधड़ी के बारे में मालूम नहीं था। नरसिंह देवांगन की बहू ने कहा कि जब उनके ससुर की मौत हो गई तब उनकी सास ने मृतक के परिवार को मिलने वाला पैसा और अन्य लाभ खुद ही हड़प लिया। हमने इसके बारे में जब शिकायत की तब इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। उन्होंने बताया कि जब हमने रियल ददई राम की तलाश शुरू की तब वो हमें छत्तीसगढ़ में मिले। हम उन्हें बिजूरी लेकर पहुंचे और उनका बयान दर्ज हुआ। जिसके बाद केस दर्ज हो सका है।

नहाते हुए बना ली वीडियो और चाचा ने ब्लैकमेल कर किया दुष्कर्म

ग्वालियर।

जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ उसी के एक रिश्तेदार द्वारा कई बार दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। आरोपी रिश्ते में नाबालिग का चाचा लगता है। पुलिस ने भतीजी से दुष्कर्म के आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, इस शख्स ने नाबालिग भतीजी के नहाते हुए कुछ अश्लील फोटो खींचे थे और वीडियो भी बनाया था। इन्हीं फोटो और वीडियो के आधार पर वह उसे ब्लैकमेल कर रहा था।

इतना ही नहीं इस रिश्तेदार ने लड़की को नशे की गोलियां दीं उनसे कहा कि, वो इन गोलियों को खिलाकर उसके माता-पिता को बेहोश कर दे। इसके बाद उसने लड़की के साथ मनमानी की। यह सिलसिला लंबे वक्त से चल रहा था।

बताया जा रहा है कि, 14 वर्ष की लड़की के चाचा ने दो महीने पहले नहाते हुए उसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो बना लिए थे। इसके आधार पर वह लड़की को ब्लैकमेल कर रहा था। अपने रिश्तेदार की इस हरकत से लड़की जब परेशान हो गई तो उसने अपने माता-पिता को चाचा की करतूत के बारे में बताया।

इसके बाद माता-पिता लड़की को लेकर स्थानीय थाने में पहुंच गए। उन्होंने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, ब्लैक मेलिंग सहित पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पहली बार चाचा ने अपनी भतीजी के साथ 29 दिसंबर को दुष्कर्म किया था। इसके बाद यह सिलसिला लगातार चला आ रहा था। लड़की के माता-पिता को खाने में नशीला पदार्थ दिया जाता था इसके बाद उसका रिश्तेदार इस नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करता था। लड़की का मेडिकल कराया गया है और पुलिस ने कोर्ट में आरोपी को पेश कर दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही न्यायालय में आरोपी चाचा के खिलाफ चालान पेश किया जाएगा। आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए भी पुलिस प्रयास करेगी।

सेवा निवृत्त हुए पटेल, संस्था स्टाफ ने प्रतीक चिन्ह से किया सम्मानित

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

आदिम जाति सैवा सहकारी संस्था आजाद नगर भाबरा के ब्रांच मेनेजर जीएस पटेल आज सेवा निवृत्त होने पर ज़िले के सम्बन्धित विभाग अधिकारी कर्मचारियों ने साफा बांधकर फुलमाला, शाल श्रीफल व प्रतीक चिन्ह तीर कमान देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मंच पर पटेल के परिजनों का भी संस्था द्वारा पुष्प माला पहनाकर कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सेवा निवृत्त हुए जीएस पटेल ने कहा कि, 1982 मे जब से नोकरी पर लगा तब से लेकर आज तक मेने किसी के काम को लेकर मना नहीं किया जो मेरे सम्बंधित काम था वो मेने किया। कभी किसी भी कर्मचारी को बेवजह परेशान नहीं किया। साथ ही कहा कि, 41 वर्ष 13 दिन की नोकरी में कभी विभागीय आरोप पत्र या किसी की शिकायत का मौका नहीं आने दिया। जो मेरे जीवन आज विभागीय अधिकारीयों व कमचारियों द्वारा आज जो मान-सम्मान दिया है उसके लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जोबट के महिपाल राणावत ने जीएस पटेल कि प्रशंसा करते हुए कहा कि, पटेल ने हमें हमेशा मागदर्शन दिया है। आज हमारे बीच से विदाई ले रहे हैं।

पीएस मुनिया ने कहा कि, जिस तरह से जीएस पटेल ने विभागीय अधिकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर काम किया वेसे ही अब परिवार के साथ भी ऐसे ही अपना जीवन गुजारे।

राजेश राठौर ने कहा कि, जीएस पटेल ब्राच मेनेजर के पद पर आजाद नगर भाबरा, उमराली, कड्डीवाड़ा, कल्याणपुर, जोबट, रानापुर में रहकर अपनी सेवा देने वाले पटेल ने सभी कर्मचारियों से तालमेल बेठा कर काम किया। साथ ही उत्कृष्ट वसूली के लिए प्रथम पुरस्कार भी हासिल किया। इस अवसर पर सुरेशचंद्र वाघे, राजेश जोशी, एनएस तोमर, पीएस डावर, जेएस सोलंकी, मेनेजर? केलाश? काईथ, केएस गाडरिया, शैलेन्द्र सिंह व राजेश वाघेला ने भी पटेल के सेवानिवृत्त पर सम्बोधित किया। इस मौके पर नपा उपाध्यक्ष नारायण अरोड़ा, महेन्द्र राठोड़, जगदीश पंचाल, गिरधारी राठोड़, आजाद खान, विजय नासा, गुलाब सिंह निनामा, अर्जुन सिंह हाड़ा ने जीएस पटेल का स्वागत करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और पटेल से आगे भी इस तरह सभी को मार्गदर्शन देते रहने की बात कही। इस अवसर आजाद नगर भाबरा, जोबट, कड्डीवाड़ा, आलीराजपुर व सोंडवा ब्रांच के सभी कर्मचारी अधिकारी विशेष रूप से मोजूद थे।

पुलिस के 3 पुलिस अधिकारी हुए सेवानिवृत्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

31 जनवरी को अलीराजपुर पुलिस के तीन पुलिस अधिकारी पुलिस विभाग से अपनी अधिवार्षिक आयु पूर्ण होनें से सेवानिवृत्त हुये हैं। सीताराम राठौर ग्राम गंगानगर थाना तिरला जिला धार के मूलनिवासी होकर ये वर्तमान में कार्य. उप निरीक्षक पद पर थाना बखतगढ में रहते हुये सेवानिवृत्त हुये हैं, राठौर अपने पुलिस विभाग में करीबन 41 वर्षों तक जिला झाबुआ एवं अलीराजपुर में अपनी सेवा दी है।

रतनसिंह मोरी ग्राम चांदपुर जिला अलीराजपुर के मूलनिवासी होकर ये वर्तमान में कार्य प्रधान आरक्षक पद पर रक्षित केन्द्र अलीराजपुर में रहते हुये सेवानिवृत्त हुये हैं, मोरी अपने पुलिस विभाग में करीबन 34 वर्षों तक जिला मंदसौर, झाबुआ एवं अलीराजपुर में अपनी सेवा दी है।

अब्दुल रशीद शेख मूलतः अलीराजपुर के मूलनिवासी होकर ये वर्तमान में कार्य. प्रधान आरक्षक पद पर रक्षित केन्द्र अलीराजपुर में रहते हुये सेवानिवृत्त हुये हैं, शेख अपने पुलिस विभाग में करीबन 36 वर्षों तक जिला धार एवं अलीराजपुर में अपनी सेवा दी है।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सेंगर के द्वारा सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को शाल/श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही बताया कि, सेवानिवृत्त सभी अधिकारियों का सेवाकाल बहुत अच्छा रहा है, सभी ने पुलिस विभाग को बहुत लम्बा सेवाकाल दिया है। सभी को इनके उज्जवल भविष्य की कॉमना कर हार्दिक शुभकॉमना दी। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक चेतन सिंह बघेल एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

एक और जनपद कर्मचारी का हुआ स्थान्तरण जो रिलीव होगा या न्यायालय की आड़ में होगा लेन-देन का खेल

पहले स्थान्तरित हुए दो कर्मचारी यही जमे, जिसको करनी थी समीक्षा उसी ने कर दिया नोटिस जारी

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

वर्ष 2021 में स्थान्तरित जनपद पंचायत कार्यालय के दो कर्मचारि कृपाराम जाटव और रामलाल कंवर के स्थान्तरण के मामले में गूंज के द्वारा स्थान्तरित कार्मचारीयो के द्वारा येन-केन प्रकारेण उसी स्थान पर जमे होने व कई वर्षो से जमे जनपद पंचायत में कर्मचारियों को लेकर मामले में समाचार प्रकाशित किये थे। इस कड़ी में 30 जनवरी को जनपद के एक ओर कर्मचारी मुकेश गोस्वामी सहायक लेखाधिकारी का स्थान्तरण जिला सीओ द्वारा, जिला कलेक्टर द्वारा अनुमोदित होना बताकर जनपद पंचायत रामा कर दिया गया। पहले आदेश में केवल कर्मचारियों को स्थान्तरित किया गया था उनके स्थान पर किसी की प्रतिनियुक्ति नही की गई, जिसका लाभ उठाकर कर्मचारी न्यायालय की शरण मे चले गये। लेकिन इस बार जारी आदेश में स्थान्तरित मुकेश गौस्वामी के स्थान पर रामा जनपद में पदस्थ प्रशांत शर्मा को पेटलावद सहायक लेखाधिकारी पर भेजा गया है। खबर लिखे जाने तक न ही जनपद पेटलावद का कर्मचारी रिलीव हुआ न ही रामा से रिलीव होकर आया।

फिर होगी सेटिंग, क्या जिला सीओ सच मे सख्त

सुनने में आ रहा है की जनपद अध्यक्ष द्वारा जनपद के कुछ कर्मचारियों के कार्यो की लगातार शिकायतो के चलते उनको हटाने की मांग की गई, लेकिन जिला सीओ द्वारा एक कर्मचारी को ही हटाया गया है। पिछले आदेशो के पालन नही होने से झल्लाये नए जिला सीओ ने इस आदेश के जारी होने के बाद जनपद सीईओ को स्थान्तरित कर्मचारी को दस घन्टे में रिलीव करने तक कि, बात कहते हुए, ऐसा नही होने पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही, ऐसी चर्चा जनपद कार्यालय में हो रही है। अगर बात सही है तो ये देखना होगा कि, जिला सीओ साहब सच मे सख्त है या उनकी सख्ती के पीछे कारण दूसरा है ।

न्यायालय ने जिला सीओ को ही समीक्षा कर निर्णय लेने को कहा था

पूर्व में स्थान्तरित दो कर्मचारी में से रामलाल कंवर न्यायालय में दिव्यांग होने का लाभ उठाकर स्थान्तरित होने से बचने में कामयाब रहा। लेकिन कृपाराम जाटव को लेकर न्यायालय ने तत्कालीन जिला सीओ को ही तीन हप्ते में सभी पक्षो की समीक्षा कर न्यायालय में जबाब पेश करने को कहा था, जो नही करते हुए मामले को फाइलों में दबा दिया। नए सीओ ने जब फाइलों से धूल हटाई तो कारण बताओ नोटिस जनपद सीईओ को जारी कर दिया। जनपद सीईओ राजेश दीक्षित में कहा कि, मामला न्यायालय का है और मेरे हाथ मे कुछ नही है, न्यायालय के निर्देश के अनुसार जिले से ही न्यायालय में रिपोर्ट पेश होना थी, हमारी ओर से कारण बताओ नोटिस का जबाब दे दिया गया है। जो की भाजपा सरकार में छोटा सा छोटा कर्मचारी शासन-प्रशासन पर भारी पड़ता है। कभी लेन-देन, तो कभी न्यायालय के नाम पर अपनी मर्जी अनुसार एक ही जगह पर जमे रहने में कामयाब होता है।

खवासा को मिली सीएम राइज विद्यालय की सौगात, निर्माण कार्य शुरू

माही की गूंज खवासा। पवन पाटीदार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की महत्वाकांक्षी योजना सीएम राइज विद्यालय जिसमें एलकेजी से लेकर कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई निजी स्कूल की तर्ज पर करवाई जाएगी।

प्रदेश सरकार द्वारा 9200 विद्यालयों को सीएम राइज़ विद्यालय के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में चयनित विद्यालय की अधोसंरचना निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसके तहत खवासा के बालक हाई सेकेंडरी विद्यालय को सीएम राइज़ विद्यालय के रूप में विकसित करने की स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक पी-12-52021/25-2 भोपाल दिनांक 24 फरवरी 2022 द्वारा जारी आदेश में दी गई थी। शासन द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि, शासन द्वारा निजी स्कूलों की तर्ज पर विद्यालय संचालित किये जाएंगे और वे सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी जो बड़े शहरों में निजी विद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई जाती है। बच्चे को एलकेजी से ही प्रवेश दिया जाएगा। नई शिक्षा नीति के तय मानक अनुसार ही सारी सुविधाएं सरकार द्वारा दी जाएगी।

सीएम राइज़ विद्यालय में समस्त पदों की पूर्ति रहेगी डिजिटल स्मार्ट क्लास, डिजिटल पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, इनडोर-आउटडोर गेम के साथ ही आधुनिक फर्नीचर बच्चों के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। यही नहीं 15 किलोमीटर की परिधि में बच्चों को बस परिवहन व्यवस्था भी शासन स्तर से निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। यानी अगर बच्चे का घर 15 किलोमीटर दूर है तो उसे बस द्वारा स्कूल लाया जाएगा और स्कूल के पश्चात वापस घर छोड़ा जाएगा।

सीएम राइज विद्यालय के प्राचार्य योगेश मोदी द्वारा बताया गया कि, वर्तमान में पुरानी बिल्डिंग रेनोवेशन के लिए विभाग द्वारा 72 लाख प्रस्तावित हुए। वहीं सीएम राइज विद्यालय के मानक अनुसार नई बिल्डिंग के निर्माण के लिए शासन स्तर से सीएम राइज भवन मॉडल की स्वीकृति दी जाकर 23 करोड़ रुपए से बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही विभाग द्वारा शिक्षकों का चयन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। जिसमें शिक्षक, कंप्यूटर शिक्षक, काउंसलर, संगीत शिक्षक, कला शिक्षक, विज्ञान शिक्षक व क्रीड़ा शिक्षक के साथ ही विषय शिक्षक के साथ प्राचार्य की नियुक्ति भी चयन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। वर्तमान में प्राचार्य के साथ ही एक वरिष्ठ अध्यापक व चार माध्यमिक शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। वहीं शेष पदों के लिए नियुक्ति की कार्यवाही प्रक्रिया जारी है। प्राचार्य श्री मोदी ने बताया कि खवासा सीएम राईस स्कूल मॉडल 1 की स्वीकृती है जिसमें 1 हजार विद्यार्थियो का लक्ष्य रहेगा वही विद्यार्थियो के लिए शिक्षा हेतु सर्व सुविधा युक्त स्कूल रहेगी। गेट पर से स्कूल परिसर में प्रवेश के दौरान ही बच्चो व स्टाफ के लिए पृथक-पृथक डिजिटल थम के साथ उपस्थिती दर्ज होगी। वही बच्चो की पढाई डिजिटल स्मार्ट बोर्ड के साथ होगी। वही डिजिटल स्मार्ट इंटरोक्टिव बोर्ड से पढाई हेतु प्रेक्टिस के लिए एक स्मार्ट बोर्ड की मांग की गई थी जो संस्था को उपल्बध होकर प्रेक्टिस के रूप में बच्चो को डिजिटल स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से बच्चो को पढाने की शुरूआत कर दी गई है। 2023-24 सत्र में तो बच्चो का पुरानी एडमिशन व्यवस्था के साथ ही संस्था में एडमिशन होगा लेकिन बिल्डींग के कार्य पुर्ण होने के साथ ही सत्र 2024-25 में बच्चो का एडमिशन एलकेजी से शुरू हो जायेगा।

शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना को लेकर आम जनता में उत्साह है। आम जनता का कहना है कि, शिक्षा को लेकर सरकार की मंशा तो अच्छी है लेकिन उसका क्रियान्वयन कैसे होना है यह महत्वपूर्ण है। शिक्षा को लेकर पूर्व में भी कई प्रयोग किए जा चुके हैं जिसमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिले है। ऐसे में यह योजना कितनी कारगर होती है यह भविष्य के गर्त में है।

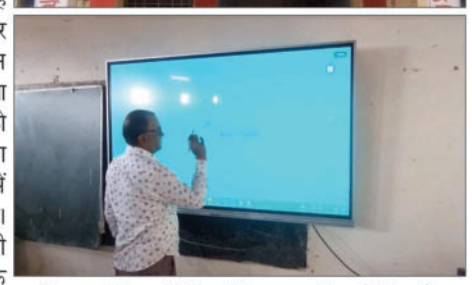

शिक्षक, बच्चो को स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाने के साथ कर रहे है अपनी प्रेक्टिस भी।

वहीं कुछ लोगों का कहना है कि, सीएम राइज विद्यालय शिक्षा के निजी करण की और पहला कदम है इन विद्यालयों के माध्यम से सरकार शिक्षा को भी निजी हाथों में सौंप देगी।

वही क्षेत्र के खेल प्रेमियों को खेल मैदान खत्म होने का डर सता रहा है। खेल प्रेमियों का कहना है कि, नई बिल्डिंग के लिए खेल मैदान की बलि नहीं दी जाना चाहिए थी, नई बिल्डिंग का निर्माण पीछे की ओर किया जाना चाहिए था जिससे खेल मैदान सुरक्षित रहता।

सीएम राइस स्कूल का निमार्ण कार्य शुरू

उक्त निर्माण कार्य ज्योति इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी अहमदाबाद द्वारा किया जा रहा है। ज्योति इंफ्रा कंपनी के प्रोजेक्ट मेंनेजर जिग्नेश भाई ने बताया, उक्त सीएम राइस स्कूल बिल्डिंग (जी-2) 2 मंजिला बनेगी। बिल्डिंग का बेस (जी -5) 5 मंजिला तक ऊपर बना सकते की गाइडलाइन से बन रहा है, सभी कार्य गुणवत्ता युक्त किया जाएगा।

ठेकेदार के प्रौजेक्ट मैनेजर द्वारा उक्त निर्माण कार्य गुणवत्ता युक्त किये जाने का दावा कितना सही रहेगा, यह तो उसके आगामी निर्माण कार्य पर ही पता चलेगा। वही बता दे कि, जिले में प्रथम चरण में बनने वाली 7 सीएम राइस स्कूलो में से 5 स्कूलो का निर्माण कार्य उक्त ज्योति इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी कर रही है।

सीएम राइस स्कूल का कार्य प्रगति पर।

फैक्ट्री से निकलने वाला दूषित जल व धुवे से परेशान लोग

माही की गूंज, मेघनगर। भुपेन्द्र जैन

केमिकल का दूषित पानी तारकेश्वर महादेव मंदिर के बोरिंग तक पहुंचा

कैमिकल फेक्ट्रियो से निकल रहा जहरीला पानी इंसानों, जीव-जंतु व फसलों को कर रहा है बर्बाद, झाबुआ जिले के मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल युक्त पानी से इंसान ही नहीं पशु-पक्षी, पेड़-पौधे को भी सबसे अधिक नुकसान पहुंच रहा है। केमिकल प्लांट से निकलने वाला जहरीला पानी आसपास बसे गांव के ग्रामीण व मेघनगर शहर के लिए आफत बना हुआ है। जैसे ग्राम पंचायत आमली पठार, हीरापुर, फुटतलाव आदि गांव की जमीन, इस केमिकल युक्त पानी से खराब व बंजर हो रही है। दूषित वायु मानव शरीर में सिर से पैरों तक पहुंच रही है यह दिल व फेफड़ों की बीमारियां भी पनप रही है। इससे फेफड़ों का कैंसर भी शामिल है, हम सास लेते हैं तो हवा के फैले हुए जहरीले सूक्ष्म कण शरीर मैं प्रवेश कर जाते हैं और दमा, खासी आदि बीमारियां उत्पन्न होती है। वायु प्रदूषण से इसके जिम्मेदार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा पा रहे हैं, मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में वर्तमान समय में 40 से 50 औद्योगिक इकाइयां संचालित है। कुछ को छोड़ दे तो अधिकांश इकाइयों में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक नहीं है, लगा है नतीज फैक्ट्रीयो के गंदे पानी को खुले मे छोड़ दिया जा रहा है, नियम अनुसार फैक्ट्रियों का गंदा पानी फैक्ट्री से बाहर नहीं जाना चाहिए लेकिन कई फैक्ट्री, कई कम्पनी नियमों को ताक पर रख कर यह पानी बहार छोड़ रहे है। इससे आसपास के क्षेत्रों में नुकसान हो रहा है। गांव वालों का कहना है इससे संबंधित तमाम विभागों को जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन कोई भी कार्रवाई करने को तैयार नहीं। प्रदूषण विभाग को कई बार शिकायत की गई, लेकिन आज तक दूषित पानी को खुले में छोड़ने वाली एक भी फैक्ट्री के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

मेघनगर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर विनोद नायक का कहना है कि, केमिकल के पानी और प्रदुषित हवा से चर्म रोग, बाल झड़ना, खासी और भी कई बीमारियां होती है। मेघनगर व आसपास की जनता के लिए फैक्ट्री से निकलने वाला दूषित जल से खांसी और सर्दी खत्म होने का नाम नहीं ले रही।

विधायक भी हमारा और सरपंच भी हमारा, कहां गायब हो जाओगे पता ही नहीं चलेगा

पूरा बांस पोला, पीड़ितों की सुनवाई नहीं, दबंगों का फैला मायाजाल

स्थानीय प्रशासन और पुलिस से विश्वास उठने के बाद जिला मुख्यालय पहुंच रहे पीड़ित

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मिल मंसूरी

वैसे तो प्रदेश की शिवराज सरकार हमेशा अंत्योदय की बात करती है लेकिन सरकार का यह दावा जमीनी हकीकत से कोसो दूर ही नजर आता दिखाई पड़ रहा है। अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की कवायद ढकोसला साबित हो रही है। उस पर सितम यह कि, दबंगों और छुट भैय्ये नेताओं का इतना बोलबाला है कि, स्थानीय प्रशासन व पुलिस की मजाल नहीं की वह पीड़ितों का साथ दे सके। जमीनी हकीकत ऐसी कि छुट भैय्ये नेता पीड़ितों को इस तरह धमकाते कि, ''विधायक भी हमारा और सरपंच भी हमारा, कहां गायब हो जाओगे पता ही नहीं चलेगा। ''ठेठ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाली सरकार अब तक इस जिले में पीड़ितों को इंसाफ तक दिलाने में नाकाम साबित हो रही है। स्थानीय प्रशासन का निकम्मापन और कारस्तानियां ऐसी की दबंगों के अर्थ बल और राजनीतिक दबाव के चलते पीड़ितों की सुनवाई और अपराधियों में डर दोनों ही लगभग खत्म होता जा रहा है। स्थितियां यह हो चली है कि, ग्रामीण क्षेत्र की जनता का विश्वास अब स्थानीय प्रशासन व पुलिस से उठता जा रहा है। इसी उठते विश्वास का नतीजा है कि, तहसीलों के ग्रामीण क्षेत्र से मामले अब जिला मुख्यालय तक पहुंच रहे है। मगर हाय री किस्तम जिला मुख्यालय से फिर वही कहानी शुरू हो जाती कि, आप यहां क्यों आए है, आपकी समस्या का समाधान तो तहसील स्तर पर ही होगा। प्रशासन के इस सारे खेल में पीड़ितों की स्थिति ऐसी हो गई कि, वह अब आत्महत्या का मन बनाकर अनुमति तक प्रशासन से लेना चाहता है। यह सारा माजरा एक बात तो बिल्कुल सटीक साबित करता है कि, जिले में प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था का ढर्रा कितना ज्यादा बिगड़ चुका है। जिला मुख्यालय पर बैठे जिले के दोनों ही आला अफसर सिर्फ इस कवायद में लगे हुए है कि, जिले में सबकुछ हरा-हरा ही दिखाया जाए। जबकि प्रशासन और पुलिस की जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। जिला प्रशासन का अपने अधिकारियों पर कोई काबू नहीं है तो वहीं पुलिस कप्तान की अपने विभाग पर लगाम ढीली दिखाई पड़ रही है। इस स्थिति में तहसील स्तर के अधिकारी अर्थलाभ अर्जित कर पीड़ितों को छोड़ दबंगों का साथ दे रहे है। तो पुलिस भी राजनीतिक दबाव के चलते पीड़ितों का साथ छोड़ रही है। जिले की तहसीलों में ऐसे कई मामले है जो इन परिस्थतियों को उजागर कर रहे है और हार मानकर पीड़ित जिला प्रशासन से उम्मीद लगाए जिला मुख्यालय की ओर अपनी समस्या लिए पहुंचते है। मगर जिला मुख्यालय से उन्हे फिर उन्ही भ्रष्ट अधिकारियों और दबंगों व छुट भैय्ये नेताओं की ओर रवाना कर दिया जाता। नतीजा ठेठ ग्रामीण इलाके से शिकायत लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचा पीड़ित वापस वहीं पहुंच जाता जहां से वह शुरू हुआ था। मगर पीड़ितों की समस्या का कोई समाधान नहीं होता और स्थितियां जस की तस ही रह जाती।

ऐसा ही एक मामला पेटलावद तहसील के ग्राम रामपुरिया का है। यहां कुछ दबंगों ने एक विवधा महिला व उसके परिवार को इस कदर परेशान कर रखा है कि, अब वह प्रशासन से आत्महत्या करने की अनुमति मांगने को मजबूर है। मामले में विवधा महिला को दबंगों द्वारा घर छोडने के लिए मजबूर किया जा रहा है और ऐसा नहीं करने पर पूरे परिवार सहित जान से मारने की धमकी आए दिन दी जा रही है। विधवा महिला को उक्त आवास, इंदिरा आवास योजना के तहत मिला था, लेकिन अब दबंगों का कहना है कि, उक्त मकान उनकी जमीन में बना हुआ है। जबकि विधवा महिला का उक्त आवास लगभग 17 वर्ष पुराना होकर वह इस मकान में निवासरत है। पुलिस में दबंगों के खिलाफ शिकायत के बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोंस कार्रवाई अब तक नजर नहीं आ रही है।

पीड़ित विधवा महिला संतोष लालू कटारा के अनुसार वे पेटलावद तहसील के रामपुरिया ग्राम की रहने वाली है। उनके पति का स्वर्गवास हो चुका है। 2006-07 में ग्राम पंचायत द्वारा शासकीय भूमि पर इंदिरा आवास मंजूर हुआ था। जब से अब तक वे इसी मकान में रह रही है। पिछले 16-17 सालों में किसी को भी उनके इस आवास से कोई दिक्कत या आपत्ती नहीं थी। लेकिन अब कुछ लोग इस आवास को अपनी भूमि में होना बता रहे है, तथा मकान छोड़कर जाने को कह रहे है। विपक्षियों का कहना है कि, अगर यह मकान खाली नहीं किया तो वे उसके परिवार को जान से मार देंगे। पीड़िता के अनुसार 04 दिसम्बर 2022 को विपक्षीगण अशोक पिता मानसिंग निनामा जो कि, कन्या शाला बामनिया में शिक्षक है, उसके साथ मानसिंग निनामा, राजू निनामा, कमला पति राजू, हिरकी पति मानसिंग निवासी रामपुरिया मेरे घर पर आकर कांटे व पत्थर रखकर घर पर कब्जा करने पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होने पीड़ित परिवार से विवाद भी किया। इस विवाद के बाद पीड़ित महिला ने मय विडियोग्राफी के पुलिस चौकी बामनिया में आवेदन भी दिया था। परन्तु राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इसके बाद विपक्षियों ने 8 दिसम्बर 2022 को फिर से पीड़ित परिवार के घर धावा बोलकर यह धमकी दी कि, ये जमीन हमारी है, यहां से घर हटा नहीं तो जान से मार देंगे। इस विवाद में विपक्षियों ने हमसे मारपीट की और घर को जलाने की कोशिश भी की। इसके बाद हम फिर से पुलिस चौकी बामनिया पहुंचे और आवेदन दिया। मगर फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित संतोष कटारा के अनुसार उसकी 16.5 बीघा जमीन ग्राम रामपुरिया में है लेकिन उसमे से 3 बीघा जमीन पर सरपंच पति अनिल निनामा ने जबरन कब्जा कर रखा हैं। पीड़िता बताती है कि, विपक्षियों व सरपंच के बीच आपसी रिश्तेदारी है, जिसके चलते विपक्षियों के कहने पर सरपंच ने राजनैतिक रसूख का इस्तेमाल करते हुए जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। विधवा संतोष बताती है कि, मुझे और मेरे परिवार को आए दिन परेशान कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया जा रहा है। बामनिया पुलिस चौकी पर सुनवाई नहीं होने के कारण पुलिस थाना पेटलावद पर भी पीड़ित के द्वारा आवेदन देकर शिकायत की गई थी। मगर यहां भी किसी तरह का सहयोग पुलिस द्वारा नहीं दिया गया। जिसके बाद इस सारे घटना क्रम को लेकर पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी को भी आवेदन देकर अवगत कराया था, लेकिन वहां से भी अब तक किसी तरह की कोई कार्रवाई विपक्षियों पर नहीं की गई। आखिरकार थक हार कर और स्थानीय प्रशासन व पुलिस के निकम्मेपन से आहत होकर दबंगों व छुट भैय्ये नेताओं से पीड़ित संतोष कटारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर होने वाली जनसुनवाई में अपनी समस्या कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को सुनाने पहुंची। जनसुनवाई आवेदन के माध्यम से जब कलेक्टर को अपनी समस्या से अवगत कराया तो कलेक्टर ने समस्या सुनकर पीड़ित से कह दिया कि, अब तुम्हे यहां आने की जरूरत नहीं है, तुम्हारा समाधान पेटलावद में ही होगा। पुलिस अधीक्षक को भी पीड़िता ने आवेदन देकर अपनी समस्या बताई। फिलहाल विधवा पीड़िता संतोष कटारा को जनसुनवाई से समस्या समाधान के लिए 7 फरवरी की तारीख दी गई है। जबकि पीड़िता स्थानीय प्रशासन की खाक छानने के बाद जिला मुख्यालय पहुंची थी। पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी तक को वह पहले ही मामले से अवगत करा चुकी है। बावजूद इसके कलेक्टर द्वारा पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी से सवाल करने के वापस महिला को समस्या के समाधान के लिए पेटलावद पहुंचा दिया गया। मतलब पीड़िता की स्थिति ''नौदिन चले अढ़ाई कोस'' हो गई है।

इस पूरे मामले से यह तथ्य भी सामने आते है कि, पीड़ितों को स्थानीय प्रशासन व पुलिस से कितना व कैसा सहयोग मिलता है। यह भी तय है कि, अब अगर किसी ग्रामीण को अपनी समस्या का समाधान चाहिए तो उसे सीधे जिला मुख्यालय से शुरूआत करनी होगी। मतलब अब नीचे से ऊपर की ओर नहीं बल्कि ऊपर से नीचे की ओर चलना होगा। तब ही पीड़ितों की समस्या का समाधान हो पाएगा। यह सारा घटना क्रम यह भी साबित करता है कि, जिले के दोनों ही शीर्ष अधिकारियों की अपने अधिनस्तों पर कोई कमान नहीं है या अधिनस्तों में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की किसी तरह की कार्रवाई का कोई खौफ नहीं है। यह मामला यह भी साबित करता है कि मैदानी स्तर पर दबंगई और राजनीति कितनी हावी हो चुकी है। जो नेता जनसेवा के लिए नेता बने थे अब वे ही आमजन के गले नख देने में लगे हुए है और दबंगों को इनका खुला संरक्षण प्राप्त है। इन्ही दबंगों व राजनैताओं का राजनीतिक दबाव और अर्थबल प्रशासन और पुलिस को नपुंसक बना रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422